



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 17] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 22, 2000 (वैशाख 2, 1922)
No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 22, 2000 (VAISAKHA 2, 1922)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखी जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

[संश्लिष्ट निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं]

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

स्टेट बैंक आफ़ लावणकोर
(भारतीय स्टेट बैंक का सहयोगी)

प्रधान कार्यालय

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 03 अप्रैल 2000

सं एसबीडी/43/3776 :—एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक आफ़ लावणकोर के शेयरधारियों का रजिस्टर, बैंक की बहियों में 16 मई, 2000 को जिन शेयरधारियों के नाम पंजीकृत हैं उन्हें 31 मार्च, 2000 को समाप्त 12 महीनों की अवधि (अर्थात् 1 अप्रैल 1999 से 31 मार्च, 2000 तक) के लिए लाभांश, यदि कोई हो, के भुगतान हेतु मंगलवार 16 मई, 2000 से शनिवार 20 मई, 2000 तक (दोनों दिन सहित) बन्द रहेगा।

वेपा कामेशम,
प्रबन्ध निदेशक

पंजाब नेशनल बैंक

प्र० का०, भीखाजी कामा प्लेस

नई दिल्ली-110066

प्रस्तावित विनियम का प्रारूप

पंजाब नेशनल बैंक सामान्य विनियम, 2000

पंजाब नेशनल बैंक का निदेशक-सहकारी बैंककारी कम्पनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 की धारा 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय - I

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम और श्रारंभ :-

(i) इन विनियमों को पंजाब नेशनल बैंक सामान्य विनियम, 2000 कहा जा सकेगा ।

(ii) ये विनियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तिथि में प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएँ :- इन विनियमों में, जब तक कि उनके विषय अथवा मदर्भ या तात्पर्य से कुछ भी प्रतिकूल न हो —

(क) “अधिनियम” से बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) अभिप्रेत है ।

(ख) “बैंक” से उक्त अधिनियम, की धारा 3 के अधीन गठित पंजाब नेशनल बैंक अभिप्रेत है ।

(ग) “मण्डल” से उक्त अधिनियम की धारा 9 के अधीन गठित निदेशक मण्डल अभिप्रेत है ।

(घ) “अध्यक्ष” से उक्त मण्डल का अध्यक्ष अभिप्रेत है ।

(ङ) “समिति” से उक्त मण्डल द्वारा यथागठित समिति अभिप्रेत है ।

(च) “कार्यपालक निदेशक” से पूर्णकालिक निदेशक किन्तु प्रबंध निदेशक नहीं, अभिप्रेत है ।

(छ) “महाप्रबंधक” से बैंक का महाप्रबंधक अभिप्रेत है ।

(ज) “प्रबंधन समिति” से उक्त योजना के खण्ड 13 के अधीन गठित समिति से अभिप्रेत है ।

(झ) “प्रबंध निदेशक” से बैंक का प्रबंध निदेशक अभिप्रेत है ।

(ञ) “रजिस्टर” से बैंक की एक या उससे अधिक बहियों में रखा गया शेयरधारकों का रजिस्टर अभिप्रेत है और जिसमें उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (2छ) के अधीन कंप्यूटर प्लापियों अथवा डिस्कटों में रखा गया शेयरधारकों का रजिस्टर शामिल है ।

(ट) “पंजीयक” से बैंक द्वारा निम्नलिखित के लिए नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है :-

(i) किसी निर्गम के संबंध में निवेशकों से आवेदन-पत्र एकत्रित करना ।

(ii) निवेशकों से प्राप्त आवेदनों एवं धनराशियों और प्रतिभूतियों के विक्रेताओं को भुगतान की गई धन राशियों का समुचित अभिलेख रखना ।

(iii) बैंक को निम्नलिखित कार्य में सहायता करना :

(क) शेयर बाजार के परामर्श से प्रतिभूतियों के आबंटन के आधार का विनिश्चय करना ।

(ख) प्रतिभूतियों के आबंटन के पात्र व्यक्तियों की सूची को अंतिम रूप प्रदान करना ।

(ग) उक्त निर्गमन में संबंधित आबंटन पत्रों, वापसी आदेशों अथवा प्रमाणपत्रों एवं अन्य संबंधित प्रलेखों की छानबीन और उनका प्रेषण ।

(iv) बैंक द्वारा समय-समय पर सौंपे जाने वाले ऐसे ही अन्य कार्य करना ।

(ठ) “योजना” से राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंधन एवं विविध प्रावधान) योजना, 1970 अभिप्रेत है ।

(ड) “शेयर” से बैंक की शेयरपूजी में शेयर अभिप्रेत है ।

(ढ) “शेयर अंतरण अभिकर्ता” में निम्नलिखित का समावेश है :

(i) कोई भी ऐसा व्यक्ति, जो बैंक की ओर से बैंक द्वारा जारी प्रतिभूतियों के धारकों के अभिलेख रखता हो तथा उसकी प्रतिभूतियों के अंतरण एवं शोधन से संबंधित मामलों की देख-रेख करता हो, अथवा

(ii) उपवाक्य (i) में यथावर्णित गतिविधियों का संचालन करने वाला बैंक का (जिस किसी भी नाम से ज्ञात) विभाग या प्रभाग ।

(जा) अध्याय 3 में प्रयुक्त और इन विनियमों में अपरिभाषित किन्तु डिपोजिटरीज अधिनियम, 1996 (1996 का अधिनियम 22) में परिभाषित शब्दों एवं अभिव्यक्तियों का अभिप्राय उक्त अधिनियम में उनसे अभिप्रेत अभिप्राय ही होगा ।

(ग) इन विनियमों में प्रयुक्त और अपरिभाषित किन्तु उक्त अधिनियम या योजना में प्रयुक्त अन्य अभिव्यक्तियों का अभिप्राय अधिनियम अथवा योजना में उनसे अभिप्रेत अभिप्राय ही होगा ।

अध्याय --II

शेयर एवं शेयर रजिस्टर

3. शेयरों का स्वरूप —बैंक के शेयर चल संपत्ति होंगे, जो इन विनियमों के अधीन किए गए प्रावधान के अनुरूप हस्तांतरणीय होंगे ।

4. शेयर पूंजी के प्रकार :-

(i) अधिमानी शेयर पूंजी से अभिप्रेत है बैंक की शेयर पूंजी का वह अंश जो निम्नलिखित दोनों ही शर्तों पूरी करता हो —

(क) जहां तक लाभांशों का संबंध है वे इस आशय के अधिमानी अधिकार रखते हैं जिसके अधीन एक नियत रकम या नियत दर पर परिकलित किसी ऐसी रकम का भुगतान करना होता है जो आयकर से या नो मुक्त होती है या फिर उसके अधीन होती है ।

(ख) जहाँ तक पूंजी का संबंध है वह इस आशय के अधि-माननी अधिकार रखती है या रखेगी जिनके अधीन समापन पर पूंजी की पुर्णता पर इस प्रकार प्रावधान होगा कि चुकता की गई या चुकता माँगी गई पूंजी की रकम चुकता की जाए चाहे निम्नलिखित प्रकार की दोनों रकमों में से किसी भी एक या दोनों रकमों के भुगतान के लिए अधिमाननी अधिकार हो या न हो, अर्थात् - -

(क) समापन की तिथि या पूंजी की चुकौती की विधि तक खण्ड (क) में विनिर्दिष्ट रकमों से संबंधित भुगतान के लिए कोड भी रकम तथा

(ख) केन्द्रीय सरकार की पूर्व सहमति से मण्डल द्वारा विनिर्दिष्ट कोई भी नियत प्रीमियम या किसी नियत मान पर प्रीमियम।

(ii) “इक्विटी शेयर पूंजी” से अभिप्रेत है ऐसी समस्त शेयर पूंजी जो अधिमानत शेयर पूंजी न हो।

(iii) “अधिमानत शेयर” और “इक्विटी शेयर” अभि-व्यक्तियों से पदनुसार अभिप्रेत होगा।

5. रजिस्टर में दर्ज किए जाने वाले विवरण - - -

(i) उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 (च) के अनुसार एक रजिस्टर बनाया जाएगा, रखा जाएगा और उसे अद्यतन रखा जाएगा।

(ii) उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2(च) में विनिर्दिष्ट विवरणों के अलावा उक्त रजिस्टर में ऐसे अन्य विवरण भी दर्ज किए जाएंगे जो मण्डल द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

(iii) किसी शेयर के युक्त धारक होने की स्थिति में उप विनियम (i) द्वारा अपेक्षित उनके नाम एवं अन्य विवरण ऐसे संयुक्त धारकों के प्रथम नाम के अधीन वर्गीकृत किए जाएंगे।

(iv) उक्त अधिनियम की धारा 3 की उप धारा 2(च) के परन्तुक के अधीन भारत के बाहर निवास करने वाला कोई शेयरधारक बैंक को भारत के भीतर वाला कोई पता प्रस्तुत कर सकेगा और ऐसा कोई भी पता रजिस्टर में दर्ज किया जाएगा और वह उक्त अधिनियम एवं इन विनियमों के प्रयोजन हेतु उसका पंजीकृत पता माना जाएगा।

(v) किसी न्यास (ट्रस्ट) की स्पष्ट, निहित या प्रलक्षित किसी भी स्वरूप के नोटिस को रजिस्टर में दर्ज नहीं किया जाएगा अथवा वह बैंक द्वारा प्राप्य नहीं होगी।

6. शेयरों और रजिस्ट्रों पर नियंत्रण - - उक्त अधि-नियम और इन विनियमों के प्रावधानों तथा मण्डल द्वारा समय-समय पर जारी किए जाने वाले दिशानिर्देशों के अधीन

उक्त रजिस्टर बैंक के प्रधान कार्यालय में बनाया और रखा जाएगा तथा वह मण्डल के नियंत्रणाधीन रहेगा एवं किसी शेयर के संबंध में कोई व्यक्ति शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने हेतु पात्र है या नहीं इस संबंध में मण्डल का निर्णय अंतिम होगा।

7. ऐसी पार्टियाँ जो शेयरधार के रूप में पंजीकृत नहीं की जा सकती - -

(i) इन विनियमों में अन्यथा लिए गए प्रावधानों के अलावा ऐसे सभी व्यक्ति जो संविदा करने में सक्षम नहीं हैं, शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने के पात्र नहीं होंगे और इस संबंध में मण्डल का निर्णय निर्णायक एवं अंतिम होगा।

(ii) फर्मों के मामले में शेयरों को अलग अलग भागी-दारों के नाम पर पंजीकृत किया जा सकता है और इस प्रकार कोई भी फर्म शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किए जाने की पात्र नहीं होगी।

8. कंप्यूटर प्रणाली आदि में शेयर रजिस्टर का रख-रखाव

(i) विनियम 5 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार पठित उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2 (च) के अधीन शेयर रजिस्टर में दर्ज किए जाने हेतु आवश्यक विवरण उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा 2(छ) के अधीन प्रधान कार्यालय में रखे जाने वाले कंप्यूटरों में डिस्कटों, फ्लॉपियों, कार्डिजों या अन्यथा (जिन्हें इसमें इसके बाद “माध्यम (पीडिया)” कहा गया है) के रूप में चुम्बकीय/चातुरीय/चुम्बकीय-चातुरीय पीडिया में भंडारित आकड़े के रूप में रखे जाएंगे और उनकी मूलाभूत सामग्री (बैंक अप) ऐसे स्थान पर रखी जाएगी, जो अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या इस उद्देश्य के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा समय-समय पर पदनामित किए जाने वाले कम से कम महाप्रबंधक की श्रेणी के किसी अधिकारी (जिसे इसमें इसके बाद “उक्त पदनामित अधिकारी” कहा गया है) द्वारा निर्धारित किया जाए।

(ii) डिपोजिटरी अधिनियम, 1996 की धारा 11 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 3(ख) के अधीन शेयर रजिस्टर में दर्ज किए जाने हेतु आवश्यक विवरण उसमें निर्धारित तरीके और विधि से इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे जाएंगे।

9. कंप्यूटर प्रणाली के संरक्षण हेतु पूर्वापार

(i) विनियम 8 (i) में निर्धारित उस प्रणाली, जिस में आकड़े भंडारित किए जाते हैं, तक पहुंच केवल उन्हीं व्यक्तियों तक प्रतिबंधित होगी जिनमें किसी निगम के ऐसे पंजीयक और/अथवा शेयर हस्तांतरण अभिकर्ता शामिल होंगे, जो इस उद्देश्य के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा पदनामित अधिकारी द्वारा प्राधिकृत किये गए हों तथा उनके पासवर्ड, यदि

कोई हों एवं इलेक्ट्रानिक सुरक्षा नियंत्रण प्रणाली को उपयुक्त व्यक्तियों के अभिरक्षण में गोपनीय रखा जाएगा।

(ii) प्राधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश को कंप्यूटर प्रणाली द्वारा लागूक में अभिलिखित किया जाएगा और ऐसे लोगों को अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा पदनामित अधिकारी द्वारा इस उद्देश्य के लिए पदनामित अधिकारियों/व्यक्तियों द्वारा सुरक्षित रखा जाएगा।

(iii) मूलभूत सामग्री (बैंक अप) की प्रतियां स्थानांतरणीय मीडिया में ऐसे अंतराली पर निकाली जाएंगी जो अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा पदनामित अधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए जाएंगे, जिसमें शेयरधारकों के रजिस्टर में किए गये परिवर्तन भी शामिल होंगे। इन प्रतियों की कम से कम एक प्रति ऐसे स्थान पर भंडारित की जाएगी जो कि इस परिसर से अलग हो जिसमें उसकी जांच पड़ताल की जा रही हो। इस प्रति को किसी ऐसे अग्निसह पर्यावरण में भंडारित किया जाएगा, जिसमें ताला लगाए जाने की व्यवस्था हो तथा जहां का तापमान अपेक्षित स्तर वाला हो। दोनों ही स्थानों पर रखी गयी गयी मूलभूत सामग्रियों (बैंक अप) तक प्रवेश केवल उन्हीं व्यक्तियों तक प्रतिबंधित होगा, जो इस उद्देश्य के लिए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा पदनामित अधिकारी द्वारा प्राधिकृत हों। इन प्रकार प्राधिकृत व्यक्तियों को अपने प्रवेश को उक्त स्थान पर रखे गए दस्ती रजिस्टर में अभिलिखित करना होगा।

(iv) प्राधिकृत व्यक्तियों का यह कर्तव्य होगा कि वे मूलभूत सामग्री (बैंक अप) के जाँचों का कंप्यूटर प्रणाली के समुचित साफ्टवेयर से मिलान करें ताकि मूलभूत सामग्री (बैंक अप) की शुद्धता सुनिश्चित हो सके। इस कार्य के परिणाम को इस प्रयोजन हेतु रखे गये रजिस्टर में अभिलिखित करना होगा।

(v) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के लिए यह विधि सम्मत होगा कि वह किसी विशेष या सामान्य आदेश द्वारा तकनीकी विकास और अथवा शर्तों की अपरिहार्यता या किसी अन्य सम्बद्ध कारण के उचित आधार पर कंप्यूटर प्रणाली में रखे जाने वाले शेयरधारकों के रजिस्टर में बरते जाने वाले पूँजी से सम्बन्धित अनुदेशों को परिवर्धित या आशोधित करे।

10. संयुक्त धारकों के अधिकारों का प्रयोग --- यदि कोई शेयरदो या उससे अधिक व्यक्तियों के नाम पर हो तो रजिस्टर में पहले नामोल्लिखित व्यक्ति को, मतदान लाभांश प्राप्ति, नोटिस देने तथा शेयर हस्तांतरण के अलावा बैंक से संबंधित सभी या किसी मामले में, उसका एकमात्र धारक माना जाएगा।

11. रजिस्टर का निरीक्षण -

(i) उक्त रजिस्टर विनियम 12 के अधीन बंद रखे जाने के अलावा किसी भी शेयरधारक के निःशुल्क निरीक्षण के लिए कारोबार के समय के दौरान जिस स्थान पर रखा

गया हो, उस स्थान पर, ऐसे उपयुक्त प्रतिबन्धों के अधीन उपलब्ध रहेगा, जो मण्डल द्वारा लगाए जाएं किन्तु वह इस प्रकार उपलब्ध रहेगा कि प्रत्येक कामकाज के दिन कम से कम दो घण्टे के लिए निरीक्षण की अनुमति रहे।

(ii) कोई भी शेयरधारक उक्त रजिस्टर की किसी भी प्रविष्टि को निःशुल्क उद्धृत कर सकेगा अथवा यदि वह उक्त रजिस्टर या उसके किसी हिस्से की प्रतियां कंप्यूटर प्रिंट चाहे तो उसे नकल किए जाने वाले प्रत्येक 100 शब्द या उसके अनुपातिक हिस्से के लिए रु० 5 की दर से पूर्व भुगतान किए जाने पर वह उपलब्ध हो सकेगी।

(iii) उप विनियम (ii) में किसी बात के अन्यथा होते हुए भी विहित रूप से प्राधिकृत किसी सरकारी अधिकारी को उक्त रजिस्टर में की गई किसी भी प्रविष्टि की प्रति निकालने का अधिकार होगा अथवा उक्त रजिस्टर या उसके किसी हिस्से की प्रति उसे उपलब्ध कराई जाएगी।

12. रजिस्टर बंद करना :- बैंक भारत में प्रकाशित होने वाले कम से कम दो समाचार पत्रों में विज्ञापन द्वारा कम से कम सात दिनों की पूर्व सूचना देते हुए शेयर धारकों का रजिस्टर किसी भी ऐसी अवधि या अवधियों के लिए बंद कर सकता है जो उसकी राय में आवश्यक हो तथा जो प्रत्येक वर्ष में कुल मिलकर पैंतालीस दिन से अधिक नहीं, किन्तु किसी एक बार में तीस दिन से अधिक नहीं होगी।

13. शेयर प्रमाण-पत्र

(i) प्रत्येक शेयर प्रमाण-पत्र पर शेयर प्रमाण पत्र संख्या एक प्रभेदक संख्या, उन शेयरों की संख्या जिनके संबंध में उन्हें जारी किया जा रहा हो तथा उस शेयर धारक का नाम जिसे वह जारी किया जा रहा हो, दिए गये होंगे और ये सब मण्डल द्वारा किए गये निर्णय के अनुरूप होंगे।

(ii) प्रत्येक शेयर प्रमाण पत्र मण्डल द्वारा पारित संकल्प के अनुसरण में बैंक की सामान्य मुद्रा (सील) के अधीन जारी किया जाएगा तथा वह दो निदेशकों एवं इस प्रयोजन के लिए मण्डल द्वारा नियुक्त कुछेक अन्य अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षरित होगा।

शर्त यह है कि निदेशकों के हस्ताक्षर किसी ऐसी यांत्रिक प्रक्रिया के द्वारा मुद्रित, उत्कीर्णित, शिलामुद्रित या मुद्रांकित या किए जाएंगे, जिनके लिए मण्डल निदेश दें।

(iii) इस प्रकार मुद्रित, उत्कीर्णित, शिलामुद्रित अन्यथा मुद्रांकित हस्ताक्षर स्वयं हस्ताक्षरी की समुचित लिखावट में किए गये हस्ताक्षर जितने ही वैध होंगे।

(iv) कोई भी शेयर प्रमाण पत्र तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि वह इस प्रकार हस्ताक्षरित न हो, इस प्रकार हस्ताक्षरित शेयर प्रमाण पत्र इस बात के बावजूद भी वैध और बाध्यकारी होंगे कि उनके जारी किए जाने के पूर्व वह व्यक्ति जिसे

उन पर हस्ताक्षर किया है, बैंक की ओर से शेयर प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति नहीं रह गया है।

(v) यदि इस प्रकार तैयार किए गए शेयर प्रमाण पत्रों पर उपयुक्त उप खंड (ii) में यथा वर्णित रूप से किसी ऐसे प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर हों जिसकी शेयर प्रमाण पत्र जारी किए जाने के समय फिलहाल मृत्यु हो गई हो, तो बैंक किसी ऐसे तरीके से जिसे वह मर्वाथा उपयुक्त समझे, प्रमाणपत्र पर किए गए व्यक्ति के हस्ताक्षर को रद्द कर सकता है और उन पर किसी अन्य प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर करवा सकता है। इस प्रकार जारी किए गए शेयर प्रमाणपत्र वैध होंगे।

14. प्रमाण-पत्र जारी किया जाना

(i) किसी शेयरधारक को शेयर प्रमाण-पत्र जारी करते समय मण्डल के लिए यह उपयुक्त होगा कि वह किसी एक अवसर पर उसके नाम पर पंजीकृत प्रत्येक सौ शेयरों या उनके गुणजों के लिए एक प्रमाण पत्र तथा उससे अधिक संख्या वाले शेयरों किन्तु जो सौ शेयरों से कम हों, के लिए एक अतिरिक्त शेयर प्रमाणपत्र के आधार पर प्रमाण पत्र जारी करे।

(ii) यदि पंजीकृत किए जाने वाले शेयरों की संख्या सौ से कम हो तो समस्त शेयरों के लिए एक प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा।

(iii) कुछेक व्यक्तियों द्वारा संयुक्त रूप से धारित किसी शेयर/किन्हीं शेयरों के संबंध में बैंक एक से अधिक प्रमाण पत्र जारी करने हेतु बाध्य नहीं होगा तथा कुछेक संयुक्त धारकों में से किसी एक को एक शेयर प्रमाण पत्र की सुपुर्दगी ऐसे सभी धारकों को की गई पर्याप्त सुपुर्दगी होगी।

15. शेयर प्रमाण पत्रों का नवीकरण

(i) यदि कोई प्रमाण-पत्र घिस गया हो या खराब हो गया हो, तो मण्डल या उसके द्वारा पदनामित समिति ऐसा प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए जाने पर उसे रद्द किए जाने तथा उसके स्थान पर नया प्रमाण पत्र जारी किए जाने का आदेश दे सकता/सकती है।

(ii) यदि किसी प्रमाण पत्र के खो जाने या नष्ट हो जाने विषयक अभिकथन किया गया हो, तो मण्डल या उसके द्वारा पदनामित समिति द्वारा जामिन सहित या उसके बिना ऐसी पहचान किए जाने पर जो मण्डल या समिति उपयुक्त समझे तथा दो समाचार पत्रों में प्रकाशन पर एवं बैंक को उसकी लागतों, प्रभारों और व्ययों का भुगतान किए जाने पर उस प्रमाण पत्र के स्थान पर उसकी अनुलिपि उस व्यक्ति को प्रदान की जा सकती है जो इस प्रकार खोए हुए या नष्ट हुए प्रमाणपत्रों हेतु पात्र हों।

16. शेयरों का समेकन एवं उप विभाजन

शेयरधारक(कों) द्वारा लिखत आवेदन किए जाने पर मण्डल या उसके द्वारा पदनामित समिति उसे समेकन/उप

विभाजन जैसी भी स्थिति हो, के लिए प्रस्तुत शेयरों को समेकित या उप विभाजित कर सकता/सकती है तथा बैंक को उसकी लागतों, प्रभारों तथा व्ययों एवं उक्त मामले के प्रासंगिक खर्चों का भुगतान किए जाने पर उस/उन प्रमाण पत्र/पत्रों के स्थान पर नया/नये प्रमाण पत्र जारी कर सकता/सकती है।

7. शेयरों का हस्तांतरण

(i) बैंक के शेयरों का प्रत्येक हस्तांतरण इसके साथ संलग्न फार्म "क" या बैंक द्वारा समय-समय पर अनुमोदित किए जाने वाले ऐसे ही अन्य फार्म में हस्तांतरण लिखत के माध्यम से होगा तथा वह हस्तांतरणकर्ता एवं हस्तांतरिती द्वारा या उनकी ओर से संबंधित शेयर प्रमाण पत्र के साथ हो विहित रूप से मुद्रांकित दिनांकित एवं निष्पादित किया जाएगा।

(ii) शेयर प्रमाणपत्र के साथ उक्त हस्तांतरण लिखत बैंक को उसके प्रधान कार्यालय में प्रस्तुत किया जाएगा तथा जब तक शेयर हस्तांतरण रजिस्टर में हस्तांतरिती का नाम दर्ज नहीं किया जाता, तब तक वह माना जाएगा कि हस्तांतरणकर्ता ही ऐसे शेयर का धारक है।

(iii) बैंक द्वारा हस्तांतरण को पंजीकृत करने हेतु अनुरोध सहित शेयर प्रमाण पत्र के साथ हस्तांतरण लिखत की प्राप्ति पर मण्डल या उसके द्वारा पदनामित समिति शेयर प्रमाण पत्र के साथ उक्त हस्तांतरण लिखत को, तकनीकी आवश्यकताओं का उनकी परिपूर्णता के अनुरूप अनुपालन किया गया है या नहीं, इस बात के सत्यापन के प्रयोजन से पंजीयक और/अथवा शेयर हस्तांतरण अभिकर्ताओं को अप्रेषित करेगा/करेगी। पंजीयक और/अथवा शेयर हस्तांतरण अभिकर्ता शेयर प्रमाण पत्र, यदि कोई हो, के साथ उक्त हस्तांतरण लिखत निम्नलिखित शर्तें पूरी न होने की स्थिति में हस्तान्तरिती को पुनर्प्रस्तुतीकरण हेतु वापस करेगा;

(क) विहित रूप से मुद्रांकित एवं पंजीकरण हेतु समुचित रूप से निष्पादित हस्तांतरण लिखत बैंक को प्रस्तुत किए जाएं तथा उनके साथ लिखत जिन प्रमाणपत्रों से संबंधित हो, वे शेयर तथा ऐसे अन्य साक्ष्य भी लगे हों, जिन्हें इस प्रकार का हस्तांतरण करने हेतु हस्तांतरणकर्ता का हक दर्शाने के लिए मण्डल को आवश्यकता हो।

(ख) पंजीयक इस बात से संतुष्ट हो कि हस्तांतरिती हस्तांतरण लिखत में समाविष्ट शेयरों के सम्बंध में बैंक के शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किये जाने की अर्हता रखता हो।

(iv) मण्डल या उसके द्वारा पदनामित समिति जब तक कि वह विनियम 19 के अधीन हस्तांतरण पंजीकृत करने से इन्कार न कर दें, इसमें इसके बाद हस्तांतरण को पंजीकृत करेगा/करेगी।

18. हस्तान्तरणों को निबन्धित करने का अधिकार—
मण्डल या उसके द्वारा परामर्शित समिति उस अवधि में कोई भी हस्तान्तरण पंजीकृत नहीं करेगा/करेगी जिसमें रजिस्टर बन्द रखा गया हो।

19. शेयर हस्तान्तरण के पंजीकरण को अस्वीकृत करने से संबंधित मण्डल के अधिकार (1) मण्डल निम्नलिखित में से किसी एक या उसके अधिक आधार पर, और किसी अन्य आधार पर नहीं, हस्तान्तरिणी के नाम पर किसी शेयर को हस्तान्तरित करने से इनकार कर सकता है।

(क) उक्त अधिनियम या उसके अधीन बनाए गये विनियमों या किसी अन्य कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए या फिर ऐसे हस्तान्तरण के पंजीकरण से सम्बन्धित कानून के अधीन किसी अन्य अपेक्षा के पूरी न होने की स्थिति में शेयरों का हस्तान्तरण

(ख) मण्डल की राय में शेयरों का हस्तान्तरण बैंक के हितों या लोकहित के प्रतिकूल हो।

(ग) न्यायालय, अधिकरण या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य कानून के अधीन किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा शेयर हस्तान्तरण प्रतिबन्धित हो।

(घ) भारत से बाहर निवास करने वाले किसी व्यक्ति या कम्पनी या भारत में अवस्थित किसी कानून के अधीन गठित किसी कम्पनी में या ऐसी कम्पनी की किसी शाखा चाहें तो वह भारत से बाहर की निवासी हो या नहीं, हस्तान्तरण हेतु दी जा रही अनुमति पर उसके फलस्वरूप बैंक के शेयरों को धारित कर सकेगा/सकेगी या प्राप्त कर सकेगा/सकेगी तथा इस प्रकार किया गया कुल निवेश चुकता पूंजी के 20 (बीस प्रतिशत) से अधिक या केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट प्रतिशत से अधिक होगा।

तथापि, शर्त यह है कि ऊपर उपविनियम (i) (ग) में यथा उल्लिखित अस्वीकृति सम्बन्धी अधिकारों का उपयोग मण्डल द्वारा पदनामित समिति द्वारा इस प्रयोजन हेतु किया जायेगा।

(ii) मण्डल बैंक के शेयरों के हस्तान्तरण लिखत को ऐसे हस्तान्तरण के पंजीकरण के प्रयोजन के लिये उसके पास जमा किए जाने के उपरान्त अपना इस आशय का अभिमत बनाएगा कि ऐसे पंजीकरण को उपविनियम (i) में उल्लिखित आधारों में से किसी एक आधार पर अस्वीकृत किया जाना आवश्यक है या नहीं—

(क) यदि, उसने इस आशय का अभिमत बनाया है कि ऐसे पंजीकरण को इस प्रकार अस्वीकृत किया जाना उचित नहीं है तो वह ऐसे पंजीकरण को प्रभावी बनाएगा, और

(ख) यदि उसने इस आशय का अभिमत बनाया है कि ऐसे पंजीकरण को उपविनियम (i) में वर्णित आधारों

में से किसी एक आधार पर अस्वीकृत किया जाना उचित है तो वह हस्तान्तरण फार्म प्राप्त होने के साठ दिनों के भीतर लिखत सूचना द्वारा हस्तान्तरणकर्ता एवं हस्तान्तरिणी को सूचित करेगा।

20. मृत्यु, दिवाला आदि की स्थिति में शेयरों का प्रेषण :—(i) किसी शेयर के संबंध में मृत शेयरधारक के निष्पादकों या प्रशासकों अथवा वसीयत की प्रति सहित या उसके बिना वसीयत प्रमाण पत्र या प्रशासन पत्र के धारक, या भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 के भाग (X) के अधीन जारी उत्तराधिकार प्रमाणपत्र या किसी विधिक प्रतिनिधित्व के धारक या कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पक्ष में मृत एकल धारक द्वारा अपने जीवनकाल के दौरान वैध हस्तान्तरण लिखत निष्पादित किया गया था, एकमात्र ऐसे व्यक्ति होंगे जिन्हें बैंक द्वारा ऐसे शेयर पर किसी प्रकार का हक रखने वाला माना जाएगा।

(ii) शेयर के दा या उसके अधिक शेयरधारकों के नाम पर पंजीकृत होने के मामले में उत्तरजीवी या उत्तरजीवीगण तथा अन्तिम उत्तरजीवी की मृत्यु हो जाने पर, उसके निष्पादक या प्रशासक या कोई ऐसा व्यक्ति जो वसीयत पत्र या वसीयत लगे हुए या उसके बिना प्रशासन पत्र या उत्तराधिकार प्रमाण पत्र या उक्त शेयर में जुड़े ऐसे उत्तरजीवी के हितों के सम्बन्ध में किसी अन्य विधिक प्रतिनिधित्व का धारक हो या ऐसी व्यक्ति जिसके पक्ष में उक्त व्यक्ति द्वारा एवं ऐसे अन्तिम उत्तरजीवी द्वारा अन्तिम उत्तरजीवी के जीवनकाल में वैध शेयर हस्तान्तरण लिखत निष्पादित किया गया हो, एकमात्र ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे बैंक द्वारा ऐसे शेयर पर किसी प्रकार का हक रखने वाले के रूप में मान्यता प्रदान की जायेगी।

(iii) बैंक ऐसे निष्पादकों या प्रशासकों को तब तक मान्यता प्रदान करने के लिये बाध्य नहीं होगा जब तक कि उन्होंने सक्षम क्षेत्राधिकार वाले न्यायालय से वसीयत प्रमाण पत्र या प्रशासन पत्र या उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जैसी भी स्थिति हो, प्राप्त न किया हो।

तथापि, शर्त यह है कि यदि मण्डल अपने विवेक के अधीन यह उचित समझे तो उसके लिये यह विधिसम्मत होगा कि यह क्षतिपूर्ति या अन्यथा ऐसी शर्तों जिन्हें वह उचित समझे के पूरी किये जाने पर वसीयतपत्र या प्रशासन पत्र या उत्तराधिकार पत्र या ऐसे ही अन्य विधिक प्रतिनिधित्व के प्रस्तुतीकरण से छूट दे सकता है।

(iv) किसी शेयरधारक की मृत्यु के परिणामस्वरूप शेयर का पात्र होने वाले किसी व्यक्ति या किसी शेयरधारक के दिवालिया अंकिवन या परिप्रमाण हो जाने के फलस्वरूप शेयर का पात्र होने वाले किसी व्यक्ति को मण्डल द्वारा यथा-पेक्षित साक्ष्य प्रस्तुत किये जाने पर निम्नलिखित का अधिकार होगा :—

(क) ऐसे शेयर के सम्बन्ध में शेयरधारक के दा में पंजीकृत किया जाना,

(ख) ऐसे शेषर का इस प्रकार हस्तांतरण करना जैसे कि वह व्यक्ति कर भुगतान या जिसमें उसने हक प्राप्त किया हो।

21. शेषरधारक का पंजीकरण हेतु पात्र न रह जाना :— चाहे एकल या किसी अन्य अथवा अन्वयों के साथ संयुक्त रूप से शेषरधारक के रूप में पंजीकृत किसी भी व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह किसी भी शेषर के सम्बन्ध में इस प्रकार पंजीकृत किये जाने के योग्य न रह जाने के तुरन्त बाद इस विषय में निदेशक मण्डल को अपनी अयोग्यता की सूचना दे।

22. शेषरों से सम्बन्धित मांग :—मण्डल समय-समय पर शेषरधारकों से उनके द्वारा धारित शेषरों पर भुगतान के लिये बकाया रहने वाली उन समस्त धनराशियों, जो आवंटन की शर्तों द्वारा नियत अवधियों पर देय नहीं होती, के सम्बन्ध में ऐसी मांग करे, जो वह उचित समझे और प्रत्येक शेषर धारक को उससे इस प्रकार की गई प्रत्येक मांग की रकम का भुगतान उस व्यक्ति को मण्डल द्वारा नियत समय एवं स्थान पर करना होगा। मांग किस्तों में देय हो सकती है।

23. संकल्प की तिथि से मांग :—किसी मांग को उस समय से की गई माना जायेगा जब से मेरी मांग प्राधिकृत करने हुए मण्डल द्वारा पकड़ा धारित किया गया हो तथा उसे रजिस्टर में दर्ज शेषरधारकों द्वारा ऐसी तिथि या मण्डल के विवेकाधिकार से उसके द्वारा नियत की जाने वाली उत्तर वर्ती तिथि से देय बनाया जाना चाहिये।

24. मांग नोटिस :—प्रत्येक मांग का कम से कम तीस दिन का नोटिस दिया जायेगा, जिसमें भुगतान के समय का उल्लेख होगा, बशर्ते कि ऐसी मांग के भुगतान के समय के पूर्व मण्डल शेषरधारकों को दिये जाने वाले लिखित नोटिस द्वारा उसे निरस्त न कर दे।

25. मांग राशि के भुगतान का समय बढ़ाना :—मण्डल समय-समय पर और अपने विवेक से शेषरधारक/कों के निवास स्थान की दूसरी अथवा कुछेक अन्य पर्याप्त कारण पर विचार करते हुए सभी शेषरधारकों या उनमें से किसी एक को किसी मांग के भुगतान हेतु नियत समय को बढ़ा सकता है किन्तु किसी शेषरधारक को ऐसे समय बढ़ाये जाने का अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

26. संयुक्त धारकों के दायित्व :—किसी शेषर के संयुक्त धारक संयुक्त रूप से और अलग-अलग उक्त शेषर से संबंधित सभी मांगों का भुगतान करने के लिये जबाबदेह होंगे।

27. मांग के रूप में नियत समय पर या किस्तों द्वारा देय रकम यदि किसी शेषर के निर्माण की शर्तों द्वारा या अन्यथा कोई रकम किसी नियत समय पर या नियत समयों पर किस्तों में देय हो तो ऐसी प्रत्येक रकम या किस्त उस रूप में देय होगी जैसे कि वह मण्डल द्वारा विहित रूप से की गई मांग पर हो और जिसके लिए विहित नोटिस दिया गया हो और उक्त मांगों के सम्बन्ध में इसमें समाविष्ट सभी प्रावधान तदनुसार ऐसी रकम या किस्त से संबंधित होंगे।

28. जब मांग या किस्त या किस्तों पर नोटिस :—यदि किसी मांग या किस्त से संबंधित देय धनराशि का उसके भुगतान के लिए नियत दिन के पूर्व या उस दिन तक भुगतान न किया गया हो, तो जिस शेषर के संबंध में मांग की गई होगी या किस्त देय हुई होगी, उस समय उसके धारक या धारिणी को ऐसी धनराशि पर उसके भुगतान के लिए नियत दिन से अतिरिक्त भुगतान के समय तक मण्डल द्वारा समय-समय पर निश्चित की जाने वाली दर से व्याज का भुगतान करना होगा, किन्तु मण्डल अपने विवेक पर ऐसे व्याज की अदायगी को पूर्णतः या आंशिक रूप में छूट दे सकता है।

29. शेषरधारक द्वारा मांग धनराशि की गैर अदायगी :—कोई भी शेषरधारक जब तक स्वयं द्वारा चाहे एकल रूप से या किसी व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से धारित प्रत्येक शेषर पर तत्समय बकाया और देय सभी मांग धनराशियों का उन पर लगाये जाने वाले व्याज एवं खर्च सहित भुगतान नहीं कर चुका होगा, तब तक किसी प्रकार का लाभार्ज प्राप्त करने का शेषरधारक के किसी भी अधिकार का प्रयोग करने का पात्र नहीं होगा।

30. मांग धनराशि या किस्त की गैर अदायगी पर नोटिस :—यदि कोई शेषरधारक किसी मांग धनराशि या किस्त या किसी शेषर के सम्बन्ध में चाहे मूलधन या फिर व्याज के रूप में देय किसी धनराशि का उसके भुगतान के लिए नियत दिन के पूर्व या उस दिन तक पूर्णतः या उसके किसी अंश का भुगतान करने में असफल रहता है तो बैंक तत्पश्चात् उस समय के दौरान जब तक मांग धनराशि या किस्त या उसका कोई भी अंश अन्य धनराशियों भुगतान हेतु बकाया रहती है या उनसे सम्बन्धित किसी निर्णय या डिक्ली का पूर्णतः या आंशिक रूप से समाधान नहीं होता, तो किसी भी समय ऐसे शेषरधारक या शेषर के हकदार व्यक्ति (यदि कोई हो) को ऐसा नोटिस भेज सकता है, जिसमें उससे ऐसी मांग धनराशि या किस्त या उनके या अन्य धनराशियों के ऐसे अंश का भुगतान करने के लिए कहा गया हो, जो भुगतान हेतु बकाया हों, इनमें उस समय तक उपचित हो चुके किसी व्याज तथा ऐसे सभी खर्चों (विधिक या अन्यथा) का भी समावेश होगा, जिनका इस प्रकार की गैर अदायगी के कारण बैंक द्वारा भुगतान किया गया हो या वहन किया गया हो।

31. जप्ती का नोटिस :—जप्ती के नोटिस में उस दिन, जो नोटिस की तिथि से चौदह दिन से कम न हो तथा उस या उन स्थान या स्थानों का नामोन्वेष्ट होता बंकिंग जन या जिन पर ऐसी मांग धनराशि या किस्त या ऐसे अंश या अन्य धनराशियों तथा उपर्युक्तानुसार व्याज एवं खर्चों का भुगतान किया जाना हो। उक्त नोटिस में यह भी उल्लेख होगा कि नियत समय के पूर्व या उस समय तक और स्थान पर भुगतान न होने की स्थिति में ऐसे शेषर जिनके सम्बन्ध में मांग की गई थी या किस्त देय है, जप्त कर लिए जाने के पात्र होंगे।

32. बूक पर जप्त किए जाने वाले शेषर :—यदि पूर्वोक्तानुसार दिए गए नोटिस की अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं किया जाता तो जिन शेषरों के सम्बन्ध में ऐसा नोटिस दिया गया है उसमें से

कोई भी शेयर उसके पश्चात् किसी भी समय मांग धनराशि या किसी व्याज और खर्च या उससे सम्बन्धित देय धनराशियाँ उक्त आशय के मण्डल के संकल्प द्वारा जन्त किए जा सकेंगे। ऐसी जन्ती में से जन्त किए गए शेयरों के सम्बन्ध में घोषित और जन्ती के पूर्व वास्तविक लाभ या भुगतान न किए गए सभी लाभांशों का समावेश होगा।

33. रजिस्टर में जन्ती की प्रविष्टि:—विनियम 32 के अधीन कोई शेयर जन्त कर लिए जाने पर उक्त जन्ती की रजिस्टर में उसकी तिथि सहित प्रविष्टि की जानी होगी।

34. जन्त शेयर बैंक की सम्पत्ति होंगे और बेचे जा सकेंगे:—इस प्रकार जन्त किया गया कोई भी शेयर बैंक की सम्पत्ति माना जाएगा और उसे ऐसी शर्तों पर तथा ऐसी विधि से जो मण्डल निर्धारित करे, किसी भी व्यक्ति को बेचा जा सकता है, पुनः आवंटित किया जा सकता है या अन्यथा निबटाया जा सकता है।

35. जन्ती को निष्प्रभावी बनाने का अधिकार:—विनियम 32 के अधीन इस प्रकार जन्त किए गए किसी शेयर के बेच दिए जाने, पुनः आवंटित किए जाने या अन्यथा निबटा दिए जाने के पूर्व मण्डल किसी भी समय ऐसी शर्तों पर, जिन्हें वह उचित समझे उनकी जन्ती को निष्प्रभावी बना सकता है।

36. जन्ती के समय बकाया धनराशि और व्याज के भुगतान के लिए शेयरधारक जिम्मेदार है:—कोई भी ऐसा शेयरधारक जिसके शेयर जन्त किए गए हों, जन्ती के बावजूद भुगतान के लिए जिम्मेदार होगा तथा वह बैंक को सभी मांग धनराशियों, किस्तों व्याज, खर्चों तथा जन्ती के समय उन पर ऐसे शेयरों के सम्बन्ध में देय अन्य धनराशियों का जन्ती के समय से भुगतान की तिथि तक मण्डल द्वारा यथानिर्धारित दर के अनुसार, उन पर उपचित व्याज सहित, तत्काल भुगतान करेगा तथा मण्डल उनके पूर्णतः या किसी हिस्से के भुगतान को प्रवृत्त करेगा।

37. आंशिक भुगतान से जन्ती प्रतिबाधित नहीं होगी:—मांग धनराशियों या किसी शेयर के सम्बन्ध में बकाया अन्य धनराशियों के लिए बैंक के पक्ष में हुआ न तो कोई निर्णय या न कोई डिक्लेरेशन, न ही उसके अधीन किया गया कोई भुगतान या समाधान, ही बैंक द्वारा किसी धनराशि के ऐसे हिस्से की प्राप्ति, जो किसी शेयरधारक से समय-समय पर किसी शेयर के सम्बन्ध में चाहे मूलधन के रूप में या व्याज के रूप में बकाया हो, है ही किसी धनराशि के भुगतान के सम्बन्ध में बैंक द्वारा मंजूर किया गया कोई अनुग्रह इन विनियमों के अधीन ऐसे शेयरों की जन्ती को प्रतिबाधित करेगा।

38. शेयर की जन्ती बैंक के विरुद्ध सभी दावों को समाप्त कर देती है:—किसी शेयर की जन्ती में जन्ती के समय उससे जुड़े सभी हितों और उक्त शेयर के संबंध में बैंक के विरुद्ध किए जाने वाले सभी दावों एवं की जाने वाली मांगों तथा केवल उन अधिकारों को छोड़कर जो उन प्राविधिकों द्वारा स्पष्ट रूप से अधिव्यक्त कर दिए गए हैं, उक्त शेयर से प्राप्यिक अन्य सभी अधिकारों की समाप्ति शामिल होती है।

39. जन्त कर लिए जाने के फलस्वरूप बिक्री, पुनर्निर्गम, पुनरावंटन या निरन्तन पर मूल शेयरों का अक्रत और शून्य हो

जाता:—पूर्वगामी विनियम के प्रावधानों के अधीन किसी बिक्री, पुनर्निर्गम, पुनरावंटन या अन्य निरन्तन पर मन्त्रित शेयरों के संबंध में मूल रूप से जारी प्रमाणपत्र (जब तक कि वे बैंक द्वारा की गई मांग पर चूककर्ता सदस्य द्वारा उमे न मांग दिए गए हों) निरस्त हो जाएंगे तथा अक्रत और शून्य हो जाएंगे एवं निष्प्रभावी हो जाएंगे मण्डल उन व्यक्ति या व्यक्तियों को जो उनके पास हों उक्त शेयरों के संबंध में नया या नये प्रमाण पत्र जारी करने का हकदार होगा।

40. जन्ती प्रावधानों का लागू होना:—इन विनियमों के जन्ती से संबंधित प्रावधान किसी धनराशि के भुगतान न होने की स्थिति में लागू होंगे, जो किसी शेयर के निर्गम की शर्त, किसी नियत समय पर चाहे शेयरों के नाममात्र मूल्य के रूप में या फिर प्रीमियम के रूप में इस प्रकार देय होते हैं जैसे कि वे विहित रूप से की गयी मांग के फलस्वरूप देय बनाए गये हों।

41. शेयरों पर धारणाधिकार (i) बैंक का निम्नलिखित पर प्रथम एवं सर्वोच्च धारणाधिकार होगा।

(क) प्रत्येक शेयर (जो पूर्णतः चुकता शेयर न हो) पर उस शेयर से संबंधित मांग या निमत समय पर देय सभी प्रकार की धनराशियों (चाहे वे वर्तमान में देय हों या नहीं) के लिए,

(ख) किसी एकल व्यक्ति के नाम पर पंजीकृत किए हुए सभी शेयरों (जो पूर्णतः चुकता शेयर न हों) पर बैंक को उनके वा उनकी संपदा द्वारा वर्तमान में देय सभी प्रकार की धनराशियों के लिए,

(ग) प्रत्येक व्यक्ति के नाम पर (चाहे एकल रूप से या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से) पंजीकृत सभी शेयरों पर तथा बैंक के प्रति या उसके साथ एकल रूप से या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से उनकी/उनकी देनदारियों, देयताओं और प्रतिबद्धताओं के लिए उनके बिक्री आगमों पर, चाहे उनके भुगतान, पूर्णता या उन्मोचन की अवधि वास्तविक रूप से पूरी हो गयी हो या नहीं, तथा बैंक द्वारा उसके धारणाधिकार पर किसी शेयर पर किसी प्रकार की सामयिक हितबद्धता को मान्यता नहीं प्रदान की जाएगी।

शर्त यह है कि निदेशक मण्डल किसी भी समय किसी भी शेयर के लिए इस खण्ड के प्रावधानों से पूर्णतः या आंशिक छूट की घोषणा कर सकता है।

(ii) किसी शेयर पर बैंक का धारणाधिकार यदि कोई हो तो उस पर देय सभी लाभांशों तक विस्तारित होगा।

(i) बैंक किसी भी ऐसे शेयरों को, जिस पर कंपनी का धारणाधिकार हो, उस विधि से बेच सकता है जो मण्डल उचित समझे।

(क) यदि जिस धनराशि के संबंध में धारणाधिकार अस्तित्व में है, वह वर्तमान में देय हो, और

(ख) शेयर के तत्समय पंजीकृत धारक या उसकी मृत्यु अथवा दिवालिया हो जाने के कारण उनके हकदार व्यक्ति

को इस आशय का उपयोग करने हुए तथा जो एकवर्षीयता में देय हो उसके जिस हिस्से के संबंध में धारणाधिकार अस्तित्व में हो, उसके भुगतान की मांग करने हुए लिखित रूप में नोटिस दिए जाने के चौदह दिनों की समाप्ति पर।

(II) किसी भी ऐसी बिक्री को प्रभारी बनाने के लिए मण्डल उन शेयरों के खरीदार को देवे गये शेयर हस्तांतरित करने हेतु प्राधिकृत कर सकता है।

43. शेयरों के बिक्री आगमों का उपयोग: विनियम 42 के अधीन किसी बिक्री के निम्न आगमों का ऐसी बिक्री लागू पट्टाने के उपरान्त उपयोग ऐसे कर्ज या देयता के समाधान में किया जाएगा जिसके संबंध में फिलहाल धारणाधिकार अस्तित्व में हो, क्योंकि वह वर्तमान में देय है तथा जेप राजि, यदि कोई हो, का भुगतान शेयरधारकों अथवा उस व्यक्ति, यदि कोई हो, को किया जाएगा, जो इस प्रकार देवे गए शेयरों के प्रेषण द्वारा हकदार हो।

44. जव्ती प्रमाणपत्र: किसी निदेशक अथवा इस प्रयोजन के लिए विहित रूप में प्राधिकृत बैंक के किसी अन्य अधिकारी की लिखावट में इस आशय का प्रमाणपत्र कि शेयर के संबंध में मांग की गई थी और कि उक्त शेयर की जव्ती मण्डल के उक्त आशय के संकल्प द्वारा की गई थी, ऐसे शेयरों के हकदार सभी व्यक्तियों के विरुद्ध समय में वर्णित तथ्य का निर्णायक साक्ष्य होगा।

45. जव्त शेयर के खरीदार एवं आबंटितों का हक:— बैंक किसी शेयर की किसी बिक्री, पुनरावंटन या उसके किसी अन्य निपटान पर दिए जाने वाले प्रतिफल को प्राप्त कर सकता है तथा जिस व्यक्ति को ऐसा शेयर बेचा, पुनराबंटित या निपटाया गया है, उसे उक्त शेयर के धारक के रूप में पंजीकृत किया जा सकता है और वह प्रतिफल, यदि कोई हो, के उपयोग का ध्यान रखने के लिए बाध्य नहीं होगा, न ही शेयर की जव्ती, बिक्री, पुनरावंटन या अन्य निपटान के संदर्भ में होने वाली कार्यवाहियों में बरती गई किसी प्रकार की अनियमितता या अवैधता द्वारा शेयर में संबंधित उसका हक प्रभावित होगा तथा बिक्री द्वारा असंतुष्ट किसी व्यक्ति का उपचार केवल क्षतिपूर्ति में और वह भी पूर्णतः बैंक के विरुद्ध होगा।

46. शेयरधारकों को नोटिस या प्रलेख तामील करना:

(I) बैंक किसी शेयरधारक को नोटिस या प्रलेख या तो व्यक्तिगत रूप से या उसके आवासीय पते पर सामान्य डाक द्वारा या फिर यदि भारत में उसका कोई आवासीय पता न हो तो उसे नोटिस देने के लिए उसके द्वारा बैंक को दिए गये भारत के भीतर के पते, यदि हो, पर तामील कर सकता है।

(II) जहां कोई प्रलेख या नोटिस डाक द्वारा भेजा गया हो, ऐसे प्रलेख या नोटिस के तामील किए जाने को उक्त प्रलेख या नोटिस वाले पत्र के समुचित रूप में संबंधित, पूर्व भुगतान या प्रेषण द्वारा प्रभावित किया गया माना जाएगा।

2—39 GI/2000

गर्न यह है कि जहां किसी शेयरधारक ने बैंक को अग्रिम रूप से इस आशय की सूचना दी हो कि उसे प्रलेख डाक प्रमाणपत्र के अंतर्गत या रसीदी अथवा नैर रसीदी पंजीकृत डाक द्वारा भेजे जाने चाहिए तथा ऐसा करने में होने वाले खर्च का हिस्सा चुकाने की दृष्टि से पर्याप्त धनराशि बैंक में जमा कर दी हो, तो जब तक कि उक्त प्रलेख या नोटिस शेयरधारक द्वारा सूचित विधि में न भेजे गए हों, उन्हें तामील किया हुआ नहीं माना जाएगा और किसी बैंक में संबंधित नोटिस के मामले में ऐसे तामील को उक्त नोटिस वाले पत्र के प्रेषित किए जाने के उपरान्त अदालतीस घंटों की समाप्ति पर तथा किसी अन्य मामले में उस समय तामील किया हुआ माना जाएगा जब कि डाक प्रेषण की सामान्य प्रक्रिया में उक्त पत्र की संपूर्णता की जा सकती थी।

(III) भारत में व्यापक तौर पर प्रसारित होने वाले समाचार पत्र में विज्ञापित किसी नोटिस या प्रलेख को जिस दिन उक्त विज्ञापन प्रकाशित हो, उस दिन बैंक के ऐसे प्रत्येक शेयरधारक को तामील किया हुआ माना जाएगा, जिसका भारत में कोई भी पंजीकृत पता न हो और जिसने उसे नोटिस देने के लिए बैंक को भारत के भीतर को कोई पता दिया हो।

(IV) बैंक द्वारा किसी शेयर के संयुक्त धारक को कोई नोटिस या प्रलेख उक्त शेयर में संबंधित रजिस्ट्रार में पहले नामोल्लेख वाले संयुक्त धारक को तामील करते हुए तामील किया जा सकता है और इस प्रकार दिया गया नोटिस उक्त शेयरों के सभी धारकों को पर्याप्त नोटिस होगा।

(V) बैंक द्वारा किसी शेयरधारक की मृत्यु पर या दिवालियापन के फलस्वरूप किसी शेयर के हकदार व्यक्तियों को उनके नाम द्वारा या मृत के प्रतिनिधियों की उपाधि द्वारा या दिवालियापन के समनुदेशितियों या ऐसे ही किसी अन्य विवरण द्वारा सम्बोधित करते हुए इस प्रकार हकदार होने का दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा उक्त प्रयोजन हेतु दिए गए पते, यदि कोई हो, पर अथवा जब तक कोई ऐसा पता न दे दिया जाए तब तक मृत्यु या दिवालियापन की स्थिति में जिस विधि से तामील किया गया होता, वैसी ही किसी भी विधि से तामील करने हुए कोई नोटिस या प्रलेख दिया जा सकता है।

(vi) बैंक द्वारा दिए जाने वाले किसी भी नोटिस पर हस्ताक्षर लिखित या मुद्रित होना चाहिए।

अध्याय-111

डिपॉजिटरी में धारित बैंक की प्रतिभूतियां

47. डिपॉजिटरी और बैंक के बीच करार:— बैंक स्वयं द्वारा जारी प्रतिभूतियों के संबंध में उसकी सेवाएं प्राप्त करने के लिए किसी एक या अधिक डिपॉजिटरी के साथ करार सम्पन्न कर सकता है।

48. सहभागी और डिपोजिटरी के बीच करार:—

(i) कोई भी सहभागी डिपोजिटरी के साथ उसके अधिकारों के रूप में कार्य करने हेतु करार संपन्न कर सकता है। वह डिपोजिटरी जिसके साथ करार संपन्न किया जाएगा ऐसा होगा, जिसकी सेवाएं प्राप्त करने पर बैंक विनियम 47 के अधीन सहमत हुआ है।

(ii) बैंक का कोई भी शेयरधारक सहभागी के माध्यम से बैंक द्वारा जारी की गई प्रतिभूतियों के संबंध में उसकी सेवाएं प्राप्त करने हेतु ऐसे डिपोजिटरी द्वारा निर्धारित फार्म में उक्त डिपोजिटरी के साथ करार संपन्न कर सकता है।

49. प्रतिभूति प्रमाणपत्र का अभ्यर्पण:—(i) बैंक का कोई भी ऐसा शेयरधारक या किसी भी प्रतिभूति का धारक, जिसने उपयुक्त विनियम 48 के अधीन कोई करार किया हो, उस प्रतिभूति प्रमाणपत्र को बैंक अभ्यर्पित कर देगा, जिसके संबंध में वह डिपोजिटरी की सेवाएं प्राप्त करना चाहता है।

(ii) बैंक उपयुक्त विनियम (i) के अधीन प्रतिभूति प्रमाणपत्र की प्राप्ति पर उक्त प्रतिभूति प्रमाणपत्र को रद्द कर देगा तथा अपने अभिलेख में उस प्रतिभूति के संबंध में डिपोजिटरी के नाम उसके पंजीकृत स्वामी के रूप में दर्ज कर लेगा एवं डिपोजिटरी को तदनुसार सूचित करेगा।

(iii) डिपोजिटरी उपयुक्त उप विनियम (ii) के अधीन सूचना की प्राप्ति पर उपयुक्त उप विनियम (i) में उल्लिखित व्यक्ति का नाम अपने अभिलेख में उसके हितकारी स्वामी के रूप में दर्ज करेगा।

50. प्रतिभूतियों के हस्तांतरण का डिपोजिटरी के पास पंजीकरण:—प्रत्येक डिपोजिटरी बैंक से हस्तांतरित किए जाने की सूचना की प्राप्ति पर प्रतिभूतियों के हस्तांतरण को हस्तांतरित के नाम पर पंजीकृत करेगा।

51. प्रतिभूति प्रमाणपत्र प्राप्त करने अथवा किसी डिपोजिटरी के पास रखी प्रतिभूति के धारण का विकल्प:—(i) बैंक द्वारा प्रस्तावित प्रतिभूतियों में अभिदान करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को या तो प्रतिभूति प्रमाणपत्र पाने या फिर डिपोजिटरी के पास रखी प्रतिभूति को धारण करने का विकल्प प्राप्त होगा।

(ii) जब कोई व्यक्ति डिपोजिटरी के पास रखी प्रतिभूति को धारण करने का विकल्प चुनता है, तो बैंक को ऐसे डिपोजिटरी को ऐसी प्रतिभूतियों के आवंटन से संबंधित विवरण देना होगा तथा ऐसी सूचना की प्राप्ति पर डिपोजिटरी अपने रजिस्टर में उक्त आवंटितों का नाम उक्त प्रतिभूति के हितकारी स्वामी के रूप में दर्ज करेगा।

52. डिपोजिटरी के अधीन प्रतिभूतियां समरूप आरूप में होंगी:—डिपोजिटरी द्वारा धारित सभी प्रतिभूतियां वेकानजीकृत होंगी तथा वे समरूप आरूप में होंगी।

53. हितकारी स्वामी के अधिकार:—हितकारी स्वामी सभी अधिकारों एवं लाभों का पात्र होगा तथा उसे डिपो-

जिटरी द्वारा धारित अपनी प्रतिभूतियों के संबंध में समस्त देयताओं के लिए उत्तरदायी माना जाएगा।

54. हितकारी स्वामी का रजिस्टर:—(i) प्रत्येक डिपोजिटरी को हितकारी स्वामियों का एक ऐसा रजिस्टर तथा ऐसी सूची इस रूप में रखनी होगी, जो डिपोजिटरी अधिनियम, 1996 के अधीन या भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड द्वारा डिपोजिटरी द्वारा धारित बैंक की प्रतिभूतियों के संबंध में निर्धारित विधि के अनुरूप हो।

(ii) डिपोजिटरी बैंक को, ऐसे अन्तरालों पर जो बैंक द्वारा निर्धारित किए जाएं, अपनी ओर से रखे गए हितकारी स्वामियों के रजिस्टर एवं सूची की एक अद्यतन प्रति प्रस्तुत करेगा।

55. किसी प्रतिभूति के संबंध में अगल होने का विकल्प:—(i) यदि हितकारी स्वामी किसी प्रतिभूति के संबंध में डिपोजिटरी से अगल होने के विकल्प को अपनाना चाहता है, तो उसे डिपोजिटरी को तदनुसार सूचित करना होगा।

(ii) डिपोजिटरी उपयुक्त उप विनियम (i) के अधीन ऐसी सूचना की प्राप्ति पर अपने अभिलेखों में उपयुक्त प्रविष्टि करेगा तथा बैंक को सूचित करेगा।

(iii) बैंक डिपोजिटरी से सूचना की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर तथा भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड डिपोजिटरी एवं सहभागी विनियम 1996 और/अथवा डिपोजिटरी अधिनियम, 1996 में यथाविनिर्दिष्ट शर्तों के पूरा होने और शुल्कों के भुगतान पर हितकारी स्वामी या हस्तांतरी जैसी भी स्थिति हो, को प्रतिभूति प्रमाणपत्र जारी करेगा।

अध्याय IV

शेयरधारकों की बैठकें

56. वार्षिक सामान्य सभा बुलाने की सूचना:—

(i) बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अथवा कार्यपालक निदेशक या किसी प्राधिकृत अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित शेयर धारकों की वार्षिक सामान्य सभा बुलाने विषयक नोटिस भारत में व्यापक तौर पर प्रसारित होने वाले कम से कम दो दैनिक समाचारपत्रों में उक्त सभा के कम से कम पूरे डक्कीप दिन पहले प्रकाशित कराया जाएगा।

(ii) प्रत्येक ऐसे नोटिस में इस प्रकार की सभा के समय, तिथि एवं स्थान और उक्त सभा में संपन्न किए जाने वाले कार्य का भी उल्लेख होगा।

(iii) ऐसी सभा का समय और तिथि मण्डल द्वारा यथानिर्धारित रूप में होंगे। सभा बैंक के प्रधान कार्यालय स्थान पर आयोजित होगी।

57. असाधारण सामान्य सभा :

(i) बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में बैंक के निदेशकों में से कोई भी एक निदेशक शेयरधारकों की असाधारण सामान्य सभा बुला सकते हैं, बशर्ते मण्डल द्वारा उन्हें इस प्रकार के निर्देश दिए गए हों या ऐसी सभा के लिए या तो केन्द्रीय सरकार से या शेयर रखने वाले एवं अन्य शेयरधारकों से इस प्रकार की सभा बुलाए जाने का ऐसा अध्याचन प्राप्त हुआ हो जिस पर कुल मिलाकर समस्त शेयरधारकों के कुल मताधिकार के कम कम दस प्रतिशत हस्ताक्षर हों।

(ii) उप विनियम (i) में उल्लिखित उक्त अध्याचन में उस प्रयोजन का उल्लेख होगा, जिसके लिए असाधारण सामान्य सभा बुलाई जानी आवश्यक है, किन्तु उसमें एक ही तरह के ऐसे कतिपय प्रलेख लगाए जा सकेंगे जिनमें से प्रत्येक किसी एक या उससे अधिक अध्याचनकर्ताओं के द्वारा हस्ताक्षरित हों।

(iii) जहां दो या उससे अधिक व्यक्ति संयुक्त रूप से किसी शेयर का धारण करते हों, वहां किसी एक या उसमें से कुछेक द्वारा हस्ताक्षरित सभा बुलाने के अध्याचन या नोटिस का इस विनियम के प्रयोजन से वही असर एवं प्रभाव होगा जैसे कि वह उन सब के द्वारा हस्ताक्षरित हो।

(iv) उक्त असाधारण सामान्य सभा के समय, तिथि एवं स्थान का निर्धारण मण्डल द्वारा किया जाएगा।

बशर्ते कि, केन्द्रीय सरकार या अन्य शेयरधारकों द्वारा अध्याचन पर बुलाई गई असाधारण सामान्य सभा अध्याचन की प्राप्ति के अधिक से अधिक 45 दिनों के भीतर बुलाई जाए।

(v) यदि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक, जैसी भी स्थिति हो, उप विनियम (i) द्वारा यथापेक्षित सभा उप विनियम (iv) के परन्तुक में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर नहीं बुलाते, तो अध्याचकों द्वारा स्वयंही अध्याचन की तिथि से तीन माह के भीतर सभा बुलाई जा सकेगी।

बशर्ते कि इस उप विनियम की कोई भी बात उपर्युक्त माह की तीन अवधि की समाप्ति के पूर्व विहित रूप से बुलाई गई सभा की उक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात वाले किसी दिन के लिए स्थगित किए जाने से निवारित नहीं करेगी।

(vi) अध्याचकों द्वारा उप विनियम (v) के तहत बुलाई गई सभा जहां तक संभव हो सके उस सीमा तक उसी विधि से बुलाई जायेगी, जिस विधि से मण्डल द्वारा अन्य सामान्य सभाएं आयोजित की जाती हैं।

58. सामान्य सभा की गणपूर्ति :

(i) शेयरधारकों की किसी सभा में तब तक कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी जब तक कि ऐसी कार्यवाही आरम्भ

किए जाने के समय इस प्रकार की सभा में मतदान करने के पात्र कमसेकम पांच शेयरधारक गणपूर्ति के रूप में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित न हों।

(ii) यदि किसी सभा के आयोजन के लिए नियत समय के उपरान्त आधे घण्टे के भीतर गणपूर्ति के लिए आवश्यक शेयरधारक उपस्थित न हों, तो केन्द्रीय सरकार के अलावा शेयरधारकों के अध्याचन द्वारा बुलाई गई सभा के मामले में उक्त सभा तर्कान्त मानी जाएगी।

(iii) किसी अन्य मामले में यदि, किसी सभा के आयोजन के लिए नियत समय के उपरान्त आधे घण्टे के भीतर गणपूर्ति के लिए आवश्यक शेयरधारक उपस्थित न हों, तो उक्त सभा आगामी सप्ताह के उसी दिन, उसी समय एवं स्थान के लिए अथवा किसी ऐसे अन्य दिन तथा अन्य ऐसे समय एवं स्थान के लिए स्थगित हो जाएगी, जो अध्यक्ष निर्धारित करे। यदि स्थगित सभा में उक्त सभा के लिए नियत समय के आधे घण्टे के भीतर गणपूर्ति के लिए आवश्यक शेयरधारक उपस्थित न हों, तो वेशेयरधारक, जो व्यक्तिगत रूप से या मुख्तार द्वारा या विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उक्त सभा में उपस्थित हों, गणपूरक होंगे तथा वे, जिस कार्यवाही को करने हेतु सभा आयोजित की गई है, उसे सम्पन्न कर सकेंगे।

जहां यह है कि किसी भी वार्षिक सामान्य सभा का स्थगन उस तिथि के लिए नहीं किया जाएगा जो उक्त तिथि के बाद आती हो जिसके भीतर उक्त अधिनियम को धारा 10-क(i) के अनुसार ऐसी वार्षिक सामान्य सभा का आयोजन आवश्यक है और उक्त सभा के आगामी सप्ताह के उसी दिन के लिए स्थगित किए जाने के पलस्वरूप ऐसा होने वाला हो, तो वार्षिक सामान्य सभा स्थगित नहीं की जायेगी, किन्तु सभा की कार्यवाही, यदि गणपूर्ति के लिए आवश्यक उपस्थिति रहती है तो सभा के लिए नियत समय में एक घण्टे के भीतर या उस समय से एक घण्टे की तत्काल समाप्ति के पश्चात आरम्भ कर दी जाएगी तथा ऐसे समय पर ऐसे शेयरधारक जो व्यक्तिगत रूप से या मुख्तारद्वारा या विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित होंगे, गणपूर्ति करेंगे।

59. सामान्य सभा के सभापति :

(i) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक, या उनकी अनुपस्थिति में निदेशकों में से कोई भी एक ऐसा निदेशक जो सामान्यतया या किसी विशिष्ट सभा के संबंध में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक द्वारा इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किए गए हों, उक्त सभा के सभापति होंगे और यदि अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या कार्यपालक निदेशक या इस प्रयोजन के लिए प्राधिकृत कोई अन्य निदेशक उपस्थित न हो तो उक्त सभा वहां उपस्थित किसी अन्य निदेशक या उक्त बैठक के सभापति के रूप में चुनाव कर सकती है।

(ii) सामान्य सभा के सभापति सामान्य सभा की कार्यविधि को निर्धारित करेंगे तथा उन्हें विशेष रूप से यह अधिकार प्राप्त होगा कि वह जेयरधारकों द्वारा सभा को संबोधित किए जाने के क्रम का निर्धारण करें, भाषण के लिए समय सीमा निर्धारित करें, उनकी राय में किसी मामले पर पर्याप्त विचार विनिमय हो जाने के उपरान्त सभापति को व्यवस्था दे तथा सभा को स्थगित करें।

60. सामान्य सभा में उपस्थित रहने के पात्र व्यक्ति :

(i) बैंक के मसस्त निदेशक एवं सभी जेयरधारक उप विनियम (ii) के प्रावधानों के अधीन सामान्य सभा में उपस्थित रहने के पात्र होंगे।

(ii) सामान्य सभा में उपस्थित रहने वाले किसी भी जेयरधारक (जो केन्द्रीय सरकार के रूप में न हों) या किसी भी निदेशक के लिये उसकी पहचान तथा उसके मतधिकार का निर्धारण करने के प्रयोजन हेतु यह आवश्यक होगा कि वह सभापति द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाने वाले उस फार्म पर हस्ताक्षर करे तथा उसे बैंक को सौंपे, जिसमें निम्न-लिखित से संबंधित विवरण हों :

(क) उसका पूरा नाम और पंजीकृत पता

(ख) उसके शेयरों की प्रभेदक संख्याएं

(ग) वह मतदान करने का पात्र है या नहीं। उन मतों की संख्या जिनका वह व्यक्तिगत रूप से या मुख्तार द्वारा या विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में हकदार है।

61. सामान्य सभाओं में मतदान

(i) किसी भी सामान्य सभा में सभा के मतदान हेतु किसी भी संकल्प पर, जब तक कि मतदान की मांग न का जाए, निर्णय हाथ उठा कर लिया जाएगा।

(ii) उक्त अधिनियम में किए गए प्रावधानों को छोड़कर सामान्य सभा में प्रस्तुत प्रत्येक मामले पर मतों के बहुमत द्वारा निर्णय लिया जाएगा।

(iii) जब तक कि उप विनियम (i) के अधीन मतदान की मांग न का जाए, सभा के सभापति द्वारा इस आशय का घोषणापत्र कि संकल्प को हाथ उठाकर या तो सर्व-सम्मति से या फिर किसी विशिष्ट बहुमत द्वारा पारित किया या नहीं किया गया है तथा कार्यवाही के कार्यवृत्त वाली बही में उक्त आशय की प्रविष्टि की गई हो, उक्त तथ्य का, ऐसे संकल्प के पक्ष या विपक्ष के पड़े मतों की संख्या या अनुपात के प्रमाण के बिना निर्णायक साक्ष्य होगा।

(iv) किसी संकल्प पर हाथ उठाकर किए गए मतदान के परिणाम की घोषणा किए जाने के पूर्व या उसके उपरान्त के सभापति द्वारा स्वयं अपने प्रस्ताव पर मतदान कराए जाने का आदेश दिया जा सकता है तथा उनके द्वारा मतदान कराए जाने का ऐसा आदेश किसी जेयरधारक द्वारा

या व्यक्तिगत रूप से उपस्थित ऐसे जेयरधारकों या मुख्तार द्वारा उक्त प्रयोजन में की जाने वाली मांग पर दिया जाएगा जो बैंक में ऐसे जेयरधारित करते हैं जो संकल्प पर मतदान का ऐसा अधिकार प्रदान करता है जो संकल्प के संबंध में, कुल मतदान अधिकार के पांचवें हिस्से से कम न हो।

(v) मतदान की मांग किसी भी समय मांग करने वाले व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा वापस ली जा सकेगी।

(vi) सभा के स्थगन या उसके सभापति के चुनाव के संबंध में मतदान हेतु की गई मांग पर तुरंत विचार किया जाएगा।

(vii) किसी अन्य मुद्दे पर की गई मतदान की मांग पर सभा के सभापति के निर्देशानुसार ऐसे समय विचार किया जाएगा जो उस समय में अड़तालीस घण्टों से बाद का न हो, जिस समय उक्त मांग की थी।

(viii) किसी व्यक्ति के मतदान करने की योग्यता तथा मतदान की स्थिति में कोई व्यक्ति कितने मत देने में सक्षम है, इस संबंध में सभा के सभापति का निर्णय अंतिम होगा।

62. सामान्य सभा के कार्यवृत्त :

(i) बैंक सभी कार्यवाहियों के कार्यवृत्त उक्त प्रयोजन के लिए रखे जाने वाली बही में दर्ज कराएगा।

(ii) जिन सभा में उक्त कार्यवाहियां संपन्न हुई थी, उसके सभापति या आगामी उत्तरवर्ती सभा के सभापति द्वारा हस्ताक्षरित माना गया ऐसा कोई भी कार्यवृत्त उन कार्यवाहियों का साक्ष्य होगा।

(iii) जब तक यथा लिख अन्त हो जाए, ऐसी प्रत्येक सामान्य सभा, जिसकी कार्यवाहियों के संबंध में इस प्रकार कार्यवृत्त तैयार किए गए हों, को विहित रूप से बुलाई गई और आयोजित सभा माना जाएगा तथा उसमें संपन्न सभी कार्यवाहियों को विहित रूप में संपन्न कार्यवाहियां माना जाएगा।

अध्याय—V

निर्देशकों का चुनाव

63. सामान्य सभा में चुने जाने वाले निदेशक :

(i) उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (3) के खंड (i) के अधीन किसी निदेशक का चुनाव केन्द्रीय सरकार को छोड़कर रजिस्टर में दर्ज जेयरधारकों द्वारा बैंक की सामान्य सभा में अपने बीच के जेयरधारकों में से किया जाएगा।

(ii) जहां किसी निदेशक का चुनाव किसी सामान्य सभा में किया जाना हो तो सभा बुलाए जाने वाले नोटिस में निदेशक के चुनाव से संबंधित नोटिस का भी समावेश किया जाएगा। ऐसे प्रत्येक नोटिस में इस बात का उल्लेख होगा कि कितने निदेशकों का चुनाव किया जाना है और उन रिक्तियों का विवरण भी दिए जाएंगे जिनके संबंध में चुनाव होना है।

64 शेयरधारकों की सूची :

(i) इन विनियमों के विनियम 63 के उप-विनियम (i) के अधीन किसी निदेशक के चुनाव के प्रयो जन हेतु रजिस्टर में दर्ज ऐसे शेयरधारकों की एक सूची तैयार की जाएगी, जिनके द्वारा निदेशक का चुनाव होना है।

(ii) उक्त सूची में शेयरधारकों के नाम, उनके पंजीकृत पते, उनके द्वारा धारित शेयरों की संख्या और प्रभेदक संख्याओं के साथ जिस तारीख को वे शेयर पंजीकृत किए गए थे वह तिथि, जिस सभा में चुनाव संपन्न होगा उसके लिए नियत तिथि को वे जितने मतों के हकदार होंगे, उन मतों की संख्या शामिल होगी और उक्त सूची की प्रतियां सभा के लिए नियत तिथि के कम से कम तीन सप्ताह पूर्व मण्डल या प्रबंधन समिति द्वारा नियत मूल्य पर आवेदन किए जाने पर प्रधान कार्यालय में खरीद के लिए उपलब्ध रहेगी।

65 चुनाव के लिए अभ्यर्थियों का नामांकन :

(i) निदेशक के रूप में चुनाव के लिए किसी अभ्यर्थी का नामांकन तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि

(क) वह बैंक में एक सौ शेयर धारण करने वाला शेयर-धारक न हो।

(ख) उक्त अधिनियम के तहत या उक्त योजना के अधीन नामांकन प्राप्ति की अंतिम तिथि को वह निदेशक बनने के लिए अयोग्य न करार दिया गया हो।

(ग) उसने मांग धनराशि के भुगतान के लिए नियत तिथि को या उसके पूर्व अपने द्वारा चाहे एकल या अन्यों के साथ संयुक्त रूप में धारित बैंक के शेयरों से संबंधित समस्त मांग धनराशियों का भुगतान कर दिया है।

(घ) नामांकन लिखित रूप में उक्त अधिनियम के तहत निदेशकों का चुनाव करने के पात्र कम से कम एक सौ शेयर-धारकों द्वारा या उनके विहित रूप में गठित मुस्तार द्वारा हस्ताक्षरित हो, जहां यह है कि किसी ऐसे शेयरधारक, जो कंपनी हो, द्वारा नामांकन उक्त कंपनी के निदेशकों के संकल्प द्वारा किया जाना चाहिए और जहां वह इस प्रकार किया गया हो, वहां वह संकल्प जिस सभा में पारित किया गया था, उस सभा के समाप्ति द्वारा मध्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित उक्त संकल्प की एक प्रति बैंक के प्रधान कार्यालय को प्रेषित की जाएगी और ऐसी प्रति को इस प्रकार की कंपनी की ओर से किया गया नामांकन माना जाएगा।

(ङ) उक्त नामांकन किसी न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, वीमा पंजीयक या उप पंजीयक या अन्य राजपत्रित अधिकारी या भारतीय रिजर्व बैंक या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के किसी अधिकारी के समक्ष उक्त अभ्यर्थी द्वारा हस्ताक्षरित इस आणय के बोधनापत्र के साथ होगा कि वह नामांकन स्वीकार करता है तथा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनने का इच्छुक है तथा वह

उक्त अधिनियम या योजना या इन विनियमों के तहत किसी भी रूप में निदेशक बनने के लिए अयोग्य करार नहीं दिया गया है।

(ii) कोई भी नामांकन तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि वह सभी सम्बद्ध प्रलेखों के साथ न प्राप्त हो, सभी प्रकार से परिपूर्ण न हो तथा वह बैंक के प्रधान कार्यालय में सभा के लिए निश्चित तिथि से कम से कम चौदह दिन पहले किसी कार्य दिवस को प्राप्त न हो जाए।

66. नामांकनों की जांच :

(i) नामांकनों की, उनके प्राप्त होने के लिए नियत तिथि के बाद वाले पहले कार्य दिवस को जांच की जाएगी तथा किसी नामांकन के वैध न पाए जाने की स्थिति में उसे वैध न पाए जाने के कारणों को रिकार्ड किए जाने के उपरांत अस्वीकृत कर दिया जाएगा। यदि चुनाव द्वारा भरी जाने वाली किसी विशिष्ट रिक्ति के लिए एक ही वैध नामांकन हो तो इस प्रकार नामांकित अभ्यर्थी को तुरन्त चुना हुआ मान लिया जाएगा तथा उसका नाम और पता इस प्रकार चुने हुए निदेशक के रूप में प्रकाशित किया जाएगा। ऐसी स्थिति में उक्त प्रयोजन के लिए बुलाई गई सभा में कोई चुनाव नहीं होगा और यदि उक्त सभा एकमात्र उपयुक्त चुनाव के प्रयोजन से बुलाई गई थी तो वह रद्द हो जाएगी।

(ii) चुनाव कराए जाने की स्थिति में यदि वैध नामांकन चुने जाने वाले निदेशकों की संख्या से अधिक है तो सबसे अधिक मत पाने वाले अभ्यर्थी को चुना हुआ माना जाएगा।

(iii) किसी विद्यमान रिक्ति को भरने के लिए चुने गए निदेशक के बारे में यह माना जाएगा कि उसने उस तिथि से पदभार संभाला है, जो उस दिन के बाद हो जिम दिन वह चुना गया या उसे चुना हुआ माना गया था।

67. चुनाव विवाद :

(i) चुने हुए माने गए या घोषित व्यक्ति की योग्यता या अयोग्यता के संबंध में या किसी निदेशक के चुनाव की वैधता के संबंध में किसी प्रकार का संदेह या विवाद उठने की स्थिति में अभ्यर्थी या शेयरधारक के रूप में हितवद्ध कोई ऐसा व्यक्ति जो ऐसे चुनाव में मतदान करने का पात्र हो, ऐसे चुनाव के परिणाम की घोषणा किए जाने के सात दिनों के भीतर बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को लिखित रूप में उसकी सूचना दे सकता है तथा उक्त सूचना में चुनाव की वैधता के संबंध में उठने वाले संदेहों और विवादों के आधारों के सम्पूर्ण विवरण उपलब्ध कराएगा।

(ii) उप विनियम (i) के अधीन किसी सूचना की प्राप्ति पर बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक ऐसे संदेह या विवाद को निर्णय हेतु तुरन्त इस समिति को भेजेंगे, जिसमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक या उनकी अनुपस्थिति में कार्यपालक निदेशक और उक्त अधिनियम की धारा

9 ती उपधारा (3) के खण्ड (ख) एवं (ग) के अधीन नामित में से किन्हीं दो निदेशकों का समावेश होगा ।

(iii) उप विनियम (ii) में उल्लिखित उक्त समिति ऐसी जांच करेगी जो उसे आवश्यक लगे और यदि उसे यह पता चलता है कि उक्त चुनाव वैध चुनाव था तो वह घोषित चुनाव परिणाम की पुष्टि करेगी अथवा यदि उसे यह पता चलता है कि उक्त चुनाव वैध चुनाव नहीं था, तो वह जांच प्रारम्भ होने के 30 दिनों के भीतर नया चुनाव कराए जाने सहित ऐसे आदेश जारी करेगी और ऐसे निदेश देगी जो उन परिस्थितियों में समिति को न्यायोचित लगे ।

(iv) इस विनियम के अनुसरण में ऐसी समिति द्वारा दिया गया कोई भी आदेश एवं निदेश निर्णायक होगा ।

अध्याय—VI

शेयरधारकों के मताधिकार

68. मताधिकारों का विनिश्चयन :

(i) उक्त अधिनियम की धारा 3(2ड) में समाविष्ट प्रावधानों के अधीन ऐसे प्रत्येक शेयरधारक को जिसे सामान्य सभा के पूर्व रजिस्टर बंद होने की तिथि को शेयरधारक के रूप में पंजीकृत किया गया है, ऐसी सभा में हाथ उठा कर एक मत देने का अधिकार प्राप्त होगा तथा मतदान की स्थिति में उसके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक मत का अधिकार प्राप्त होगा ।

(ii) उक्त अधिनियम की धारा 3 (2ड) में समाविष्ट प्रावधानों के अधीन ऐसे प्रत्येक शेयरधारक को, जो उपयुक्तानुसार मतदान करने का पात्र है, जो कम्पनी की हैसियत से नहीं व्यक्तिगत रूप से अथवा मुख्तार के माध्यम से उपस्थित हो, अथवा जो कम्पनी की हैसियत से विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से या मुख्तार के माध्यम से, उपस्थित हो, हाथ उठा कर एक मत देने का अधिकार प्राप्त होगा तथा मतदान की स्थिति में इसमें इसके ऊपर उप विनियम (i) में यथावर्णित उसके द्वारा धारित प्रत्येक शेयर के लिए एक मत देने का अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इस अध्याय के लिए कम्पनी से अभिप्राय है कोई भी निगमित निकाय ।

(iii) सामान्य सभा में उपस्थित रहने और मतदान करने के पात्र बैंक के शेयरधारक किसी अन्य व्यक्ति (वाहे वह शेयरधारक हो अथवा नहीं) को अपने मुख्तार के रूप में अपने स्थान पर सभा में उपस्थित रहने और मतदान करने हेतु नियुक्त करने के हकदार होंगे, किन्तु इस प्रकार नियुक्त मुख्तार को उक्त सभा में बोलने का कोई अधिकार नहीं होगा ।

69. विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा मतदान :

(i) केन्द्रीय सरकार या किसी कम्पनी के रूप में, जैसी भी स्थिति हो, कोई शेयरधारक संकल्प के द्वारा शेयरधारकों की किसी

भी सामान्य सभा में अपने प्रतिनिधि के रूप में अपने किसी भी अधिकारी या किसी अन्य व्यक्ति को प्राधिकृत कर सकता है और इस प्रकार, प्राधिकृत व्यक्ति (इन विनियमों में जिसे “विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि” कहा गया है) केन्द्रीय सरकार या जिस कम्पनी का वह प्रतिनिधित्व करता है, उस कम्पनी की ओर से उन्हीं अधिकारों का प्रयोग करने का हकदार होगा, जैसे कि वह बैंक का एकन शेयरधारक हो । इस प्रकार दिया गया प्राधिकार बैंकल्पिक रूप से दो व्यक्तियों के पक्ष में हो सकता है और ऐसी स्थिति में ऐसे व्यक्तियों में से कोई भी एक व्यक्ति केन्द्रीय सरकार/कम्पनी के विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में कार्य कर सकता है ।

(ii) कोई भी व्यक्ति बैंक के शेयरधारकों की किसी सभा में किसी कम्पनी के विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में तब तक उपस्थित नहीं रहेगा या मतदान नहीं करेगा, जब तक कि उसे विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किए जाने विषयक संकल्प की एक ऐसी प्रति जो जिस सभा में वह पारित किया गया था, उस सभा के सभापति द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित हो, सभा के लिए नियत तिथि से कम से कम चार दिन पहले बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा नहीं कर दी जाती ।

70. मुख्तार :

(i) कोई भी मुख्तारनामा तब तक वैध नहीं होगा तब तक कि किसी एकल शेयरधारक के मामले में वह स्वयं उसके द्वारा या लिखित रूप में विहित ढंग से प्राधिकृत उसके मुख्तार द्वारा हस्ताक्षरित न हो अथवा संयुक्त धारकों के मामले में, वह रजिस्टर में प्रथम नामोलिखित शेयरधारक द्वारा या लिखित रूप में विहित ढंग से प्राधिकृत उसके मुख्तार द्वारा हस्ताक्षरित न हो या किसी निगमित निकाय के मामले में उसके अधिकारी द्वारा या लिखित रूप में विहित ढंग से प्राधिकृत मुख्तार द्वारा हस्ताक्षरित न हो ।

शर्त यह है कि कोई भी मुख्तार लिखित किसी ऐसे शेयरधारक द्वारा पर्याप्त रूप से हस्ताक्षरित होगा जो किसी कारणवश अपना नाम लिखने में असमर्थ हो, बशर्ते कि उसका चिन्ह उस पर लगा हो और जो किसी न्यायाधीश, मजिस्ट्रेट, बीमा पंजीयक या उप पंजीयक अथवा अन्य सरकारी राजपत्रित अधिकारी या बैंक के किसी अधिकारी द्वारा अनुप्रमाणित हो ।

(ii) कोई भी मुख्तार तब तक वैध नहीं होगा जब तक कि वह विहित रूप से मुद्रांकित न हो तथा उसकी एक प्रति मुख्तारनामे या अन्य प्राधिकार (यदि कोई हो) जिसके तहत वह हस्ताक्षरित हो या उस मुख्तारनामे या अन्य प्राधिकार की एक ऐसी प्रति जो सरकारी नोटरी या मजिस्ट्रेट द्वारा सत्य प्रतिलिपि के रूप में प्रमाणित हो, के साथ उक्त सभा के लिए नियत तिथि से कम से कम चार दिन पहले बैंक के प्रधान कार्यालय में जमा न की गयी हो, बशर्ते कि ऐसा मुख्तारनामा या अन्य प्राधिकार बैंक के पास पहले जमा और पंजीकृत न किया गया हो ।

(iii) कोई भी मुख्तार लिखित तब तक वैध नहीं होगा, जब तक कि वह फार्म “ख” में न हो ।

(iv) बैंक के पास जमा कोई भी मुख्तार लिखित अप्रति-गृहणीय और अंतिम होगा ।

(v) दो ग्राहियों के पक्ष में वैकल्पिक रूप से मंजूर किए गए मुख्तार लिखत के मामले में एक से अधिक फार्म नहीं निष्पादित किए जाएंगे।

(vi) इस विनियम के अधीन मुख्तार लिखत मंजूर करने वाला जिस सभा से इस प्रकार का लिखत संबंधित हो उस सभा में व्यक्तिगत रूप से मतदान का पात्र नहीं होगा।

(vii) ऐसा कोई भी व्यक्ति विहित रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि या मुख्तार नहीं नियुक्त किया जाएगा जो बैंक का अधिकारी या कर्मचारी हो।

पी० के० गुप्ता,
म० प्र०

पंजाब नेशनल बैंक

फार्म "क"

शेयर हस्तांतरण फार्म

[विनियम 17 का उप विनियम (1) देखें]

अधोलिखित प्रतिकल के अधीन "हस्तांतरणकर्ता (गण)" एतद्वारा नीचे नामोल्लिखित "हस्तांतरिती (हस्तांतरितियों)" को नीचे वर्णित शेयर उन्हीं शर्तों के अधीन हस्तांतरित करता है/करते हैं जिन पर उक्त शेयर इस समय हस्तांतरणकर्ता (ओं) द्वारा धारित है और हस्तांतरिती (गण) एतद्वारा उपर्युक्त शर्तों के अधीन उक्त शेयर स्वीकार एवं धारण करने के लिए सहमत है/हैं।

कंपनी का पूरा नाम:

उस मान्यताप्राप्त शेयर बाजार का नाम जहां इनका संव्यवहार होता है (यदि कोई हो)

इक्विटी शेयर का विवरण

संख्या (अंकों में)	संख्या (शब्दों में)	प्रतिफल (अंकों में)	प्रतिफल (शब्दों में)
-----------------------	------------------------	------------------------	-------------------------

प्रभेदक

में

संख्याएं

तक

समनुरूपी

प्रमाणपत्र संख्याएं

हस्तांतरणकर्ता(ओं) विक्रेता(ओं) के विवरण

पंजीकृत

फोलियो नं०

हस्ताक्षर

पूरा/पूरे नाम

1

1

2

2

3

3

4

4

अनुप्रमाणन

मैं एतद्वारा इसमें उल्लिखित हस्तांतरणकर्ता(ओं) के हस्ताक्षर (रों) को अनुप्रमाणित करता/करती हूँ।

हस्ता०

साक्षी के हस्ताक्षर

नाम

साक्षी का नाम एवं पता-----

-----पिन-----

पता/मुहर

हस्तांतरिती/(हस्तांतरितियों) का/के पूरा/पूरे नाम

खरीददार(रों) के विवरण

हस्ताक्षर

1

1

2

2

3

3

व्यवसाय पता पिता/पति का नाम

1

2

3

हस्तांतरिती (हस्तांतरितियों) का/के विद्यमान फोलियो, यदि कोई हो, नामों के उसी क्रम में

जमाना, माह, दिनांक का मूल्य रु०

आज दिनांक दो हजार

स्थान

केवल कार्यालय उपयोग हेतु

फोलियो

कम्पनी कुट

जांचकर्ता

हस्ताक्षर मिलानकर्ता

हस्तांतरिती (हस्तांतरितियों)

के नमूना हस्ताक्षर

1

2

3

हस्तांतरण रजिस्टर नं०

.....में दर्ज

अनुमोदन की तिथि

अनुप्रमाणन हेतु अनुदेश :

जहां आवश्यक हो (अंगूठे के निशान, चिन्ह, हस्ताक्षर में भिन्नता आदि) का अनुप्रमाणन किसी मजिस्ट्रेट, सरकारी नोटरी या विशेष कार्यकारी दण्डाधिकारी या सरकारी पद पर कार्यरत इसी प्रकार के ऐसे प्राधिकारी द्वारा जो अपने पद की मुहर का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत हो अथवा किसी ऐसे मान्यताप्राप्त शेयर बाजार के सदस्य, जिसके माध्यम से शेयर प्रारम्भ किए गए हों या हस्तांतरणकर्ता के बैंक के प्रबंधक द्वारा किया जाना चाहिए।

टिप्पणी :

नामों की खड़ मुहर वरेण्य रूप से एक सीधी रेखा में लगाई जानी आवश्यक है। इस प्रक्रिया में कालक्रमिक आधार अपनाया जाना चाहिए। जहां सुपुर्दगी किसी समाशोधन गृह के सदस्य बैंक द्वारा की गई हो, वहां दलाल की निकासी संख्या का उल्लेख किया जाना चाहिए।

सुपुर्दगी दलाल या निकासी सदस्य का नाम दिनांक

मुहतास्तामा / वसीयत / मृत्यु प्रमाण पत्र

प्रशासन पत्र

कंपनी के पास पंजीकृत

सं० दिनांक

दलाल, बैंक, कंपनी या शेयर बाजार के समाशोधन गृह के हस्ताक्षर (आद्यक्षर नहीं)

जमाकर्ता

पूरा पता

.....

शेयर प्रमाण पत्र निम्नलिखित को वापस किए जाने हैं।

(उन नामों और पतों का उल्लेख करें जिन पर प्रमाण पत्र वापस किए जाने अपेक्षित हैं)।

नाम एवं पता

.....

शेयर हस्तांतरण मुहर

पंजाब नेशनल बैंक

फार्म "ख"

मुख्तारी फार्म

(विनियम 70 का उप विनियम (iii) देखें)

फोलियो सं०.....

(शेयरधारक द्वारा भरा जाए)

मैं/हम राज्य के जिले में स्थित का/के निवासी पंजाब नेशनल बैंक का/के शेयरधारक/कों के रूप में एतद्वारा राज्य के जिले में स्थित का/के निवासी श्री को अथवा उनकी अनुपस्थिति में राज्य के जिले में स्थित का/के निवासी श्री को वर्ष 20 के महीने की तिथि को आयोजित होने वाली पंजाब नेशनल बैंक के शेयरधारकों की सभा में और उसके किसी स्थगन के उपरान्त आयोजित होने वाली सभा में मेरे/हमारे लिए तथा मेरी/हमारी ओर से मतदान करने के लिए मेरे/अपने मुख्तार के रूप में करता हूँ करते हैं।

हस्ताक्षरित आज दिनांक.....

नाम.....

पता.....

राजस्व टिकट लगाएं

पी० के० गुप्ता

भ० प्र०

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान डिस्ट्रिक्टलाइज्ड ऑफिस

महात्मा गांधी रोड, नुनगमाखम, चेन्नई-600 034

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

नं० 3 एस० सी० ए० (4) 5/1999-2000--चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है।

क्र०सं० सदस्यता संख्या नाम एवं पता दिनांक

1 2 3 4

1. 000607 श्री राजन्ना बोदापती 12-3-99
गुरुकुपा, 3/1 हनुमान कोइल स्ट्रीट]
वैस्ट मम्बालम
चेन्नई-600033.

2. 000618 श्री वेंकटेश्वरलू भगवधूलू 3-1-99
2 लाइन ब्रीडीपेट
गुट्टूर-522 002.

1	2	3	4
3.	000926	श्री कृष्णास्वामी एम० एस० 4-12-9 145 सेंट मैरिज रोड एस० वी० आई० ऑफिसर्स कोलोनी, अलवरपेट चेन्नई-600 018.	
4.	002248	श्री राघवाचारी के० वी० 7-11-9 22/7 रेडीअप्पा मुदाली स्ट्रीट बेल्लोर-632001.	
5.	003869	श्री पिन्टो ज़रितन अल्लन 16-3-99 अपूर्वा पिन्टो लेन अपोजिट बीमाया क्लिनिक मैंगलूर-575003.	
6.	003941	श्री रंगनाथन एस० 26-8-98 फ्लैट 203 उरजीथा अपार्टमेंट्स 2 फ्लोर कृपा आनन्दबाग रोड, मलकाजगिरी हैदराबाद-500047.	
7.	003963	श्री राव वी० डी० के० 29-7-99 अपोजिट सीथारामा कल्याणा मंदिरा 2 क्रोस रोड दुर्गीगुडी शिमोगा-577201.	
8.	004872	श्री अम्बेरकर वाई० वाई० 3-12-99 गणेश कौम्पलैक्स विहान्ड होटल दर्शन पी० वी० रोड दावनगिरी-577002.	

1	2	3	4	1	2	3	4
9.	005050	श्री कृष्णा अयंगर आर० अश्वथी टावर 2 फ्लोर पी० बी० नं० 117 स्टार कौमर्सेक्स निगर श्रेक्कमगोपुरम कोट्टायाम-686001.	21-1-99	20.	020197	श्री जोसफ जोहन बचमिन्स 44 अन्नादनापट्टी मेन रोड, मलेम-636002.	25-7-99
10.	005325	श्री सुब्रामनियम अयर एस० फ्लैट नं० 2 द्वारका 26 बाजूल्लाह रोड टी नगर चेन्नई-600017.	7-9-99	21.	028890	श्री पेड्डा बाबू पो० 15/1 अरुणडेल पेट गुन्टर-522002	15-7-99
11.	005712	श्री विद्यानाथन पी० मारुत कौमर्सेक्स 25/5 लेवैले रोड बैंगलोर-560001.	15-10-99	22.	029453	श्री अब्दुल्लासामी सी० लक्ष्मी भवनम 1/601 एन० जी० ओ० कोलोनी, सचीयापुरम शिवाकासी-626124.	7-8-99
12.	006406	श्री कृष्णा राव के० के० रोड नं० 3, 1-2-41 ककादिया नगर हृक्षीगुड्डा हैदराबाद-500007.	11-3-99	23.	035743	श्री कुरियन जोहन पी० अरमोप्लास्ट प्लास्टिक इड, एल० (एल० सी०) पी० ओ० बोक्स-25150 आरजाह ए० ए० ई०	20-9-98
13.	008878	श्री ईश्वरन आदियापुरम नारायणा अयर 122 सेनगुप्था स्ट्रीट राम नगर कोयम्बटोर-641009.	1-5-99	24.	200105	श्री चन्नाशेवरा रेड्डी एस० नं० 17/114 अपस्टेयर्स टंक रोड नेल्लोर-524001.	2-6-99
14.	009328	श्री ज्ञान्यामूर्थी वी० एम० नं० 10, 1 फ्लोर एस०एस० बी० मट्ट ट्रस्ट बिल्डिंग्स टैंक बन्द रोड ईस्ट बैंगलोर-560009	24-12-99	25.	201723	श्री सुन्दर राज आर० जी० 71 कचेरी रोड माइलापोर, चेन्नई-600004.	5-9-99
15.	009338	श्री जॉर्ज कान्डाथिल इपन कान्डाथिल काजीकुली, अपोजिट एस० बी० टी० कोट्टायाम-686004.	19-2-99	<p style="text-align: right;">अशोक हृत्विद्या, मन्त्रि</p> <hr/> <p style="text-align: center;">वस्त्र समिति</p> <p style="text-align: center;">(भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय).</p> <p style="text-align: center;">मुंबई, दिनांक 30 मार्च 2000</p> <p>सं० 33(5)/97-प्रशासन—वस्त्र समिति अधिनियम, 1963 (1963 का 41) की धारा 23 का खण्ड (सी) उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र समिति, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी से वस्त्र समिति कर्मचारी (चिकित्सा सुविधा) विनियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए निम्न प्रकार विनियम बनाती है अर्थात् :-</p> <p>1. (1) ये विनियम वस्त्र समिति कर्मचारी (चिकित्सा सुविधा) संशोधन विनियम, 2000 कहलायेंगे।</p> <p>(2) ये उनकी सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।</p>			
16.	010400	श्री कृष्णा कुमार आर० 101 एण्ड 10, 22 फ्लोर कप्रेस बिल्डिंग 573 माउंट रोड चेन्नई-600006.	4-10-99				
17.	010409	श्री रामन. जी० 42/18 मोतीलाल स्ट्रीट नगर, चेन्नई-600017	30-8-99				
18.	015193	श्री सतीश चन्द्रन एल० सिन्धियर मैनेजर इण्डियन ओवरसीज बैंक 105 कोन्तूर हाई रोड आयानावरम चेन्नई-600023.	22-1-98				
19.	018138	श्री गोपाल कृष्णा भट्ट एस० पी० ओ० बोक्स 22631 किटवे, जाम्बिया	9-3-99				

2. वस्त्र समिति कर्मचारी (चिकित्सा सुविधा) विनियम, 1968 के विनियम 5 में "कर्मचारियों द्वारा किया खर्च" शब्दों से प्रारंभ होकर टिप्पणी (i) में "और उस पर समुचित महगाई वेतन शामिल किया जाता है", के शब्दों से समाप्त होने वाले भाग के लिए निम्न प्रकार प्रतिस्थापित किया जाएगा अर्थात् ---

"चिकित्सा सेवा और उपचार के लिए कर्मचारियों द्वारा वित्तीय वर्ष में किये गये खर्च की उन्हें वस्त्र समिति द्वारा प्रतिपूर्ति की जाएगी। यह चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को वेतन के 12.5 प्रतिशत दरसे, तृतीय श्रेणी कर्मचारियों को वेतन के 10 प्रतिशत

दर से और द्वितीय श्रेणी तथा प्रथम श्रेणी कर्मचारियों को वेतन के 8 प्रतिशत दरसे की जाएगी।

टिप्पणी --(i) हकदारी हर साल 1 अप्रैल से मिली जाएगी और हकदारी की गिनती करने के लिए कर्मचारी ने पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान कुल मिलाकर लिया मूल वेतन माना जायेगा।

पी० आर० बाबुस्कर
सचिव

STATE BANK OF TRAVANCORE

(Associate of the State Bank of India)

HEAD OFFICE : THIRUVANANTHAPURAM

Thiruvananthapuram, the 3rd April 2000

NOTICE

No. SBD/43/3776.—Notice is hereby given that the Register of Shareholders of State Bank of Travancore will remain closed from Tuesday, the 16th May, 2000 to Saturday, the 20th May, 2000 (both days inclusive) for payment of dividend (if any) for the 12 months period ending the 31st March, 2000 (ie, 1st April 1999 to 31st March, 2000) to the shareholders whose names stand registered in the books of the Bank as on the 16th May, 2000.

VEPA KAMESAM
Managing Director

PUNJAB NATIONAL BANK

HO : 7, BHICAJI CAMA PALACE

NEW DELHI-110066

PUNJAB NATIONAL BANK GENERAL REGULATIONS (2000)

In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970, the Board of Directors of Punjab National Bank, after consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government, hereby makes the following regulations, namely :

CHAPTER—1

INTRODUCTORY

1. Short title and commencement--

(i) These regulations may be called Punjab National Bank General Regulations, 2000.

(ii) These regulations shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless there is any thing repugnant to the subject or context or meaning thereof—

(a) "Act" means the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) ;

(b) "Bank" means Punjab National Bank, constituted under Section 3 of the Act ;

(c) "Board" means the Board of Directors constituted under Section 9 of the Act ;

(d) "Chairman" means the Chairman of the Board ;

(e) "Committee" means a Committee as constituted by the Board ;

(f) "Executive Director" means the wholetime Director, not being the Managing Director ;

(g) "General Manager" means General Manager of the Bank ;

(h) "Management Committee" means a Committee constituted under Clause 13 of the Scheme ;

(i) "Managing Director" means Managing Director of the Bank ;

(j) "Register" means the register of Shareholders kept in one or more books of the Bank and includes the register of Shareholders kept in Computer floppies or diskettes under Sub-Section (2G) of Section 3 of the Act ;

(k) "Registrar" means the person appointed by the Bank for—

(i) collecting applications from investors in respect of an issue ;

(ii) keeping a proper record of applications and monies received from investors or paid to the seller of the securities ;

(iii) assisting the Bank in—

(a) determining the basis of allotment of securities in consultation with the stock exchange ;

(b) finalising the list of persons entitled to allotment of securities ;

(c) processing and despatching allotment letters, refund orders or certificates and other related documents in respect of the issue, and

(iv) such other functions as assigned from time to time by the Bank,

(l) "Scheme" means the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 ;

(m) "Share" means share in the Share Capital of the Bank ;

(n) "Share transfer agent" includes—

(i) any person, who on behalf of the Bank maintains the records of holders of securities issued by the Bank and deals with all matters connected with the transfer and redemption of its securities, or

(ii) a department or division, (by whatever name called), of the Bank performing the activities referred in sub-clause (i) ;

(o) words and expressions used in Chapter III and not defined in these Regulations but defined in the Depositories Act, 1996, (Act 22 of 1996), shall have the meaning respectively assigned to them in the said Act.

(p) other expressions used and not defined in these regulations but used in the Act or the Scheme shall have the meanings respectively assigned to them in the Act or the Scheme.

CHAPTER—II

SHARES AND SHARE REGISTER

3. Nature of shares.—The shares of the Bank shall be movable property, transferable in the manner provided under these regulations.

4. Kinds of share capital

(i) Preference Share Capital means that part of share capital of the Bank which fulfils both the following conditions—

(A) as respects dividends, it carries a preferential right to be paid a fixed amount or an amount calculated at fixed rate, which may be either free of or subject to income tax and

(B) as respect capital, it carries or will carry, on winding up to repayment of capital, a preferential right to be repaid the amount of the capital paid-up or deemed to have been paid up, whether or not there is preferential right to the payment of either or both of the following amounts, namely :—

(a) any money remaining unpaid, in respect of the amounts specified in clause (A) upto the date of winding up or repayment of capital, and

(b) any fixed premium or premium on any fixed scale, specified by the Board with the previous consent of the Central Government.

(ii) "Equity Share Capital" means all share capital, which is not preference share capital.

(iii) The expressions "Preference Share" and "Equity Share" shall be construed accordingly.

5. Particulars to be entered in the register

(i) A share register shall be kept, maintained and updated in accordance with sub-section 2(F) of Section 3 of the Act.

(ii) In addition to the particulars specified in sub-section 2(F) of Section 3 of the Act, such other particulars as the Board may specify shall be entered in the register.

(iii) In the case of joint holders of any share, their names and other particulars required by sub-regulation (i) shall be grouped under the name of the first of such joint holders.

(iv) Subject to the proviso of sub-section 2(D) of sec. 3 of the Act, a shareholder resident outside India may furnish to the Bank an address in India and any such address shall be entered in the register and be deemed to be his registered address for the purposes of the Act and these regulations.

(v) No Notice of any trust, express implied or constructive, shall be entered on the register or be receivable by the Bank.

6. Control over shares and registers.—Subject to the provisions of the Act and these regulations, and such directions as the Board may issue from time to time, the register shall be kept and maintained at the Head Office of the Bank and be under the control of the Board and the decision of the Board as to whether or not a person is entitled to be registered as a shareholder in respect of any share shall be final.

7. Parties who may not be registered as shareholders—

(i) Except as otherwise provided by these regulations, all persons who are not competent to contract shall not be entitled to be registered as a shareholder and the decision of the Board in this regard shall be conclusive and final.

(ii) In case of firms, shares may be registered in the names of the individual partners and no firm as such, shall be entitled to be registered as a shareholder.

8. Maintenance of share register in computer system etc.—

(i) The particulars required to be entered in the share register under sub-section, 2(F) of section 3 of the Act, read with those mentioned in Regulation 5, shall be maintained under Sub-section 2(G) of Section 3 of the Act, in the form of data stored in magnetic/optical/magneto-optical media by way of diskettes, floppies, cartridges or otherwise (hereinafter referred to as the "media") in computers to be maintained at the Head Office and the back up at such location as may be decided from time to time by the Chairman & Managing Director or any other official not below the rank of a General Manager designated in this behalf by the Chairman & Managing Director (hereinafter referred to as "the designated official").

(iii) Particulars required to be entered in the share register under Section 3 (B) of the Act read with Section 11 of the Depositories Act, 1996 shall be maintained in the electronic form in the manner and in the form as prescribed therein.

9. Safeguards for protection of Computer System

(i) The access to the system set out in Regulation 8(i) in which data is stored shall be restricted to such persons including Registrars to an issue and/or share transfer agents as may be authorised in this behalf by the Chairman & Managing Director or the designated official and the password, if any, and the electronic security control systems shall be kept confidential under the custody of the said persons.

(ii) The access by the authorised persons shall be recorded in logs by the computer system and such logs shall be preserved with the official/persons designated in this behalf by the Chairman & Managing Director or the designated official.

(iii) Copies of the back-ups shall be taken on removable media at intervals as may be specified from time to time by the Chairman & Managing Director or the designated official, incorporating the changes made in the register of shareholders. At least one of these copies shall be stored in a location other than the premises in which processing is being done. This copy shall be stored in a fire-proof environment with locking arrangement and at the requisite temperature. The access to the back-ups in both the locations shall be restricted to persons authorised in this behalf by the Chairman & Managing Director or the designated official. The persons so authorised shall record the access in a manual register kept at the location.

(iv) It shall be the duty of the authorised persons to compare the data on the back-ups with that on the computer system by using appropriate software to ensure correctness of the back-up. The result of this operation shall be recorded in the register maintained for the purpose.

(v) It shall be competent for the Chairman & Managing Director, by special or general order, to add or modify the instructions, stipulations in regard to the safeguards to be observed in maintaining the register of the shareholders in the computer system with due regard to the advancement of technology, and/or in the exigencies of situation or for any other relevant consideration.

10. Exercise of rights of joint holders.—If any share stands in the names of two or more persons, the person first named in the register shall as regards voting, receipt of dividends, service of notices and all or any other matters connected with the Bank except the transfer of shares, be deemed to be the sole holder thereof.

11. Inspection of Register

(i) The register shall, except when closed under Regulation 12, be open to inspection of any share-

holder, free of charge, at the place where it is maintained during business hours subject to such reasonable restrictions as the Board may impose, but so that not less than two hours in each working day shall be allowed for inspection.

- (ii) Any shareholder may make extracts of any entry in the register or computer prints free of charge or if he requires a copy or computer prints of the register or any part thereof, the same will be supplied to him on pre-payment at the rate of Rs. 5/- for every 100 words or fractional part thereof required to be copied.

- (iii) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (ii), any duly authorised officer of the Government shall have the right to make a copy of any entry in the register or be furnished a copy of the register or any part thereof.

12. Closing of the Register—The Bank may, after giving not less than seven days' previous notice by advertisement in at least two newspapers circulating in India, close the register of shareholders for any period or periods not exceeding in the aggregate forty-five days in each year, but not exceeding thirty days at any one time as shall, in its opinion, be necessary.

13. Share Certificates—

- (i) Each share certificate shall bear share certificate number, a distinctive number, the number of shares in respect of which it is issued and the name of the shareholder to whom it is issued and it shall be in such form as may be specified by the Board.

- (ii) Every share certificate shall be issued under the common seal of the Bank in pursuance of a resolution of the Board and shall be signed by two directors and some other officer appointed by the Board for the purpose.

Provided that the signature of the directors may be printed, engraved, lithographed or impressed by such other mechanical process as the Board may direct.

- (iii) A signature so printed, engraved, lithographed or otherwise impressed shall be as valid as a signature in the proper handwriting of the signatory himself.
- (iv) No share certificate shall be valid unless and until it is so signed. Share Certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon may have ceased to be a person authorised to sign share certificates on behalf of the Bank.
- (v) Should the share certificate so prepared contain the signature of an authorised person, as stated in Sub-Clause (ii) above, who however is dead at the time of issue of the certificate, the Bank may, by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The share certificate so issued shall be valid.

14. Issue of Share Certificates—

- (i) While issuing share certificates to any shareholder, it shall be competent for the Board to issue the certificates on the basis of one certificate for every hundred shares or multiples thereof registered in his name on any one occasion and one additional share certificate for the number of shares in excess thereof but which are less than hundred.
- (ii) If the number of shares to be registered is less than hundred, one certificate shall be issued for all the shares.
- (iii) In respect of any share or shares held jointly by several persons, the Bank shall not be bound to issue more than one certificate, and delivery of a certificate for a share to one of several joint holders shall be sufficient delivery to all such holders.

15. Renewal of share certificates—

- (i) If any share certificate is worn out or defaced, the Board or the Committee designated by it on production of such certificate may order the same to be cancelled and have a new certificate issued in lieu thereof.
- (ii) If any share certificate is alleged to be lost or destroyed, the Board or the Committee designated by it on such indemnity with or without surety as the Board or the Committee thinks fit, and on publication in two newspapers and on payment to the Bank of its costs, charges and expenses, a duplicate certificate in lieu thereof may be given to the person entitled to such lost or destroyed certificate.

16. Consolidation and sub-division of shares—On a written application made by the shareholder(s), the Board or the committee designated by it may consolidate or sub-divide the shares submitted to it for consolidation/sub-division as the case may be and issue a new certificate(s) in lieu thereof on payment to the Bank of its costs, charges and expenses of and incidental to the matter.

17. Transfer of shares—

- (i) Every transfer of the shares of the Bank shall be by an instrument of transfer in Form 'A' annexed hereto or in such other form as may be approved by the Bank from time to time and shall be duly stamped, dated and executed by or on behalf of the transferor and the transferee alongwith the relative share certificate.

- (ii) The instrument of transfer alongwith the share certificate shall be submitted to the Bank at its Head Office and the transferor shall be deemed to remain the holder of such shares until the name of the transferee is entered in the share register in respect thereof.

- (iii) Upon receipt by the Bank of an instrument of transfer alongwith a share certificate with a request to register the transfer, the Board or the committee designated by the Board shall forward the said instrument of transfer alongwith share certificate to the Registrar and/or Share Transfer Agents for the purposes of verification that the technical requirements are complied with in their entirety. The registrar and/or Share Transfer Agent shall return the instrument of transfer alongwith the share certificate if any to the Transferee for resubmission unless :

- (a) The instrument of transfer is presented to the Bank, duly stamped and properly executed for registration and is accompanied by the certificate of the shares to which it relates and such other evidence as the Board may require to show the title of the transferor to make such transfer.

- (b) The Registrar is satisfied that the transferee is qualified to be registered as a shareholder of the Bank in respect of the shares covered by the instrument of transfer.

- (iv) the Board or the Committee designated by the Board shall unless it declines to register the transfer under Regulation 19 hereinafter cause the transfer to be registered.

18. Power to suspend transfers—The Board or the committee designated by the Board shall not register any transfer during any period in which the register is closed.

19. Board's right to refuse registration of transfer of shares—

- (i) The Board may refuse transfer of any shares in the name of the transferee on any one or more of the following grounds, and on no other grounds :—

- (a) the transfer of shares is in contravention of the provisions of the Act or regulations made

thereunder or any other law or that any other requirement under the law relating to registration of such transfer has not been complied with;

- (b) the transfer of shares, in the opinion of the Board, is prejudicial to the interests of the Bank or to public interest;
- (c) the transfer of shares is prohibited by an order of court, Tribunal or any other authority under any law for the time being in force.
- (d) an individual or company resident outside India or any company incorporated under any law not in force in India or any branch of such company whether resident outside India or not will on the transfer being allowed hold or acquire as a result thereof, shares of the Bank and such investment in the aggregate will exceed the percentage being more than 20% (twenty) of the paid up capital or as may be specified by the Central Government by notification in the Official Gazette.

Provided, however, that the powers of refusal mentioned in sub-regulation (i) (c) above may be exercised by the committee designated by the Board in this behalf.

- (ii) The Board shall, after the instrument of transfer of shares of the Bank is lodged with it for the purpose of registration of such transfer form its opinion as to whether such registration ought or ought not to be refused on any of the grounds referred to in sub-regulation (i)—
 - (a) If it has formed the opinion that such registration ought not to be so refused, effect such registration; and
 - (b) If it has formed the opinion that such registration ought to be refused on any of the grounds mentioned in sub-regulation (i), intimate the Transferor and the Transferee by notice in writing within 60 days from the receipt of the Transfer Form.

20. Transmission of shares in the event of death, insolvency etc :

- (i) The executors or administrators of a deceased shareholder in respect of a share, or the holder of letter of probate or letters of administration with or without the will annexed or a succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925, or the holder of any legal representation or a person in whose favour a valid instrument of transfer was executed by the deceased sole holder during the latter's lifetime shall be the only person who may be recognised by the Bank as having any title to such share.
- (ii) In the case of shares registered in the name of two or more shareholders, the survivor or survivors and on the death of the last survivor, his executors or administrators or any person who is the holder of letters of probate or letters of administration with or without will annexed or a succession certificate or any other legal representation in respect of such survivor's interest in the share or a person in whose favour a valid instrument of transfer of share was executed by such person and such last survivor during the latter's lifetime, shall be the only person who may be recognised by the Bank as having any title to such share.
- (iii) The Bank shall not be bound to recognise such executors or administrators unless they shall have obtained probate or letters of administration or succession certificate, as the case may be, from a court of competent jurisdiction.

Provided, however, that in a case where the Board in its discretion thinks fit, it shall be lawful for the Board to dispense with the production of letters of probate or letters of administration or succession certificate or such other legal representation, upon

such terms as to indemnity or otherwise as it may think fit.

- (iv) Any such person becoming entitled to a share in consequence of death of a shareholder and any person becoming entitled to a share in consequence of the insolvency, bankruptcy or liquidation of a shareholder shall upon production of such evidence, as the Board may require, have the right :—
 - (a) to be registered as a shareholder in respect of such share.
 - (b) to make such transfer of such share as the person from whom he derives title could have made.

21. Shareholder ceasing to be qualified for registration—It shall be the duty of any person registered as a shareholder, whether solely or jointly with another or others forthwith upon ceasing to be qualified to be so registered in respect of any share to give intimation thereof to the Board of Directors in this regard.

22. Calls on shares—The Board may, from time to time, make such calls as it thinks fit upon the shareholders in respect of all moneys remaining unpaid on the shares held by them, which are by the conditions of allotment not made payable at fixed times, and each shareholder shall pay the amount of every call so made on him to the person and at the time and place appointed by the Board. A call may be payable by instalments.

23. Calls to date from resolution—A call shall be deemed to have been made at the time when the resolution of the Board authorising such call was passed and may be made payable by the shareholders on the register on such date or at the discretion of the Board on such subsequent date as may be fixed by the Board.

24. Notice of call—A notice of not less than thirty days of every call shall be given specifying the time of payment provided that before the time for payment of such call the Board may by notice in writing to the shareholders revoke the same.

25. Extension of time for payment of call—The Board may, from time to time and at its discretion, extend the time fixed for the payment of any call to all or any of the shareholders having regard to distance of their residence or some other sufficient cause, but no shareholder shall be entitled to such extension as a matter of right.

26. Liabilities of joint holders—The joint holders of a share shall be jointly and severally liable to pay all calls in respect thereof.

27. Amount payable at fixed time or by instalments as calls—If by the terms of issue of any share or otherwise any amount is payable at any fixed time or by instalments at fixed times, every such amount or instalment shall be payable as if it were a call duly made by the Board and of which due notice had been given and all the provisions herein contained in respect of the calls shall relate to such amount or instalment accordingly.

28. When interest on call or instalment payable—If the sum payable in respect of any call or instalment is not paid on or before the day appointed for payment thereof, the holder for the time being or allottee of the share in respect of which a call shall have been made, or the instalment shall be due, shall pay interest on such sum at such rate as the Board may fix from time to time, from the day appointed for the payment thereof to the time of actual payment, but the Board may at its discretion waive payment of such interest wholly or in part.

29. Non-payment of calls by shareholder—No shareholder shall be entitled to receive any dividend or to exercise any right of a shareholder until he shall have paid all calls for the time being due and payable on every share held by him, whether singly or jointly with any person, together with interest and expenses, as may be levied or charged.

30. Notice on non-payment of call or instalment—If any shareholder fails to pay the whole or any part of any call or instalment or any money due in respect of any shares either by way of principal or interest on or before the day appointed for the payment of the same, the Bank may at any time thereafter during such time as the call or instalment or any part thereof or other moneys remain unpaid or a judgement or decree in respect thereof remains unsatisfied in whole or in part, serve a notice on such shareholder or on the person (if any) entitled to the share by transmission, requiring him to pay such call or instalment or such part thereof or other moneys as remain unpaid together with any interest that may have accrued and all expenses (legal or otherwise) that may have been paid or incurred by the Bank by reason of such non-payment.

31. Notice of Forfeiture—The notice of forfeiture shall name a day not being less than fourteen days from the date of the notice and the place or places on and at which such call or instalment or such part or other monies and such interest and expenses as aforesaid are to be paid. The notice shall also state that in the event of non-payment on or before the time and at the place appointed, the share in respect of which the call was made or instalment is payable will be liable to be forfeited.

32. Shares to be forfeited on default—If the requirement of any such notice as aforesaid are not complied with, any of the shares in respect of which such notice has been given may at any time thereafter for non-payment of all calls or instalments, interest and expenses or the money due in respect thereof, be forfeited by a resolution of the Board to that effect. Such forfeiture shall include all dividends declared in respect of the forfeited shares and not actually paid before the forfeiture.

33. Entry of forfeiture in the register—When any share has been forfeited under Regulation 32, an entry of the forfeiture with the date thereof shall be made in the register.

34. Forfeited shares to be property of the Bank and may be sold—Any share so forfeited shall be deemed to be the property of the Bank and may be sold, reallocated or otherwise disposed of to any person upon such terms and in such manner as the Board may decide.

35. Powers to annul forfeiture—The Board may, at any time, before any share so forfeited under Regulation 32 shall have been sold, reallocated or otherwise disposed of, annul the forfeiture thereof upon such conditions as it may think fit.

36. Shareholder liable to pay money owing at the time of forfeiture and interest—Any shareholder whose shares have been forfeited shall, notwithstanding the forfeiture, be liable to pay shall and forthwith pay to the Bank all calls, instalments, interest, expenses and other moneys owing upon or in respect of such shares at the time of forfeiture with interest thereon from the time of forfeiture until payment at such rate as may be specified by the Board and the Board may enforce the payment of the whole or a portion thereof.

37. Partial payment not to preclude forfeiture—Neither a judgement nor a decree in favour of the Bank for calls or other monies due in respect of any shares nor any payment or satisfaction thereunder nor the receipt by the Bank of a portion of any money which shall be due from any shareholder from time to time in respect of any shares either by way of principal or interest nor any indulgence granted by the Bank in respect of payment of any money shall preclude the forfeiture of such shares under these regulations.

38. Forfeiture of share extinguishes all claims against Bank—The forfeiture of a share shall involve extinction, at the time of the forfeiture, of all interest in and all claims and demands against the Bank, in respect of the share and all other rights incidental to the share, except only such of those rights as by these presents expressly waived.

39. Original shares null and void on sale, re-issue, reallocation or disposal on being forfeited—Upon any sale, re-issue, reallocation or other disposal under the provision of the preceding regulations, the certificate(s) originally issued in respect of the relative shares shall (unless the same shall on demand by the Bank have been previously surrendered

to it by the defaulting member) stand cancelled and become null and void and of no effect, the Board shall be entitled to issue a new certificate or certificates in respect of the said shares to the person or persons entitled thereto.

40. Application of forfeiture provisions—The Provisions of these regulations as to the forfeiture shall apply in the case of non-payment of any sum which by terms of issue of a share become payable at a fixed time, whether on account of nominal value of the shares or by way of premium as if the same had been payable by virtue of a call duly made

41. Lien on shares —

(i) The Bank shall have a first and paramount lien —

- (a) on every share (not being a fully-paid share), for all moneys (whether presently payable or not) called, or payable at a fixed time, in respect of that share.
- (b) on all shares (not being fully paid shares) standing registered in the name of a single person, for all moneys presently payable by him or his estate to the Bank.
- (c) upon all the shares registered in the name of each person (whether solely or jointly with others) and upon the proceeds of sale thereof for his debts, liabilities, and engagements, solely or jointly with any other person to or with the Bank, whether the period for the payment, fulfilment, or discharge thereof shall have actually arrived or not and no equitable interest in any share shall be recognised by the Bank over its lien.

Provided that the Board of Directors may at any time declare any share to be wholly or in part exempt from provisions of this clause.

(ii) The Bank's lien, if any, on a share shall extend to all dividends payable thereon.

42. Enforcing Lien by Sale of Shares —

(i) The Bank may sell, in such manner as the Board thinks fit, any shares on which the company has a lien :

- (a) if a sum in respect of which the lien exists is presently payable, and
- (b) after the expiration of fourteen days after a notice in writing stating and demanding payment of such part of the amount in respect of which the lien exists as is presently payable, has been given to the registered holder for the time being of the share or the person entitled thereto by reason of his death or insolvency.

(ii) To give effect to any such sale, the Board may authorise some officer to transfer the shares sold to the purchaser thereof.

43. Application of proceeds of sale of shares—The net proceeds of any sale of shares under Regulation 42 after deduction of costs of such sale, shall be applied in or towards the satisfaction of the debt or liability in respect whereof the lien exists so far as the same is presently payable and the residue, if any, be paid to the shareholders or the person, if any, entitled by transmission to the shares so sold.

44. Certificate of forfeiture—A certificate in writing under the hands of any director, or any other officer of the Bank duly authorised in this behalf, that the call in respect of a share was made that the forfeiture of the share was made by a resolution of the Board to that effect, shall be conclusive evidence of the fact stated therein as against all persons entitled to such shares.

45. Title of purchaser and allottee of forfeited share—The Bank may receive the consideration, if any, given for the share on any sale, reallocation or other disposition thereof and the person to whom such share is sold, reallocated or disposed of may be registered as the holder of the share and shall not be bound to see to the application of the consideration, if any, nor shall his title to the share be affected by any

irregularity or invalidity in the proceedings in reference to the forfeiture, sale, reallocation or other disposal of the share and the remedy of any person aggrieved by the sale shall be in damages only and against the Bank exclusively.

46. Service of a notice or document to shareholders—

- (i) The Bank may serve a notice or a document on any shareholder either personally, or by ordinary post at his registered address or if he has no registered address in India, at the address, if any, within India supplied by him to the Bank for giving of notice to him.
- (ii) Where a document or a notice is sent by post, the service of such document or notice shall be deemed to be effected by properly addressing, prepaying and posting a letter containing the document or notice :

Provided that where a shareholder has intimated to the Bank in advance that documents should be sent to him under a certificate of posting or by registered post, with or without acknowledgement due and has deposited with the Bank a sum sufficient to defray the expenses of doing so, service of the document or notice shall not be deemed to be effected unless it is sent in the manner intimated by the shareholder. And such service shall be deemed to have been effected in the case of a notice of a meeting at the expiration of forty eight hours after the letter containing the same is posted, and in any other case, at the time at which the letter would have been delivered in the ordinary course of post.

- (iii) A notice or a document advertised in a newspaper widely circulated in India shall be deemed to be duly served on the day on which the advertisement appears on every shareholder of the Bank who has no registered address in India and has not supplied to the Bank an address within India for giving of notice to him.
- (iv) A notice or document may be served by the Bank on the joint holder of a share by effecting service on the joint-holder named first in the register in respect of the share and notice so given shall be sufficient notice to all the holders of the said shares.
- (v) A notice or a document may be served by the Bank on the persons entitled to a share upon death or in consequence of the insolvency of a shareholder by sending it through post in a prepaid letter addressed to them by name, or by the title of representatives of the deceased, or assignees of the insolvent, or by any like description, at the address, if any, in India supplied for the purpose by the persons, claiming to be so entitled, or until such an address has been so supplied, by serving the document in any manner in which it might have been served if the death or insolvency had not occurred.
- (vi) The signature to any notice to be given by the Bank may be written or printed.

CHAPTER III

SECURITIES OF THE BANK HELD IN A DEPOSITORY

47. Agreement between a depository and the Bank—The Bank may enter into an agreement with one or more depository to avail of its services in respect of securities issued by the Bank.

48. Agreement between a Participant and the depository :

- (i) Any participant may enter into an agreement with the depository to act as its agent. The depository with whom the agreement will be entered into will be one whose services the Bank has agreed to avail of under Regulation 47.
- (ii) Any shareholder of the Bank may through the participant enter into an agreement with the depository in the form specified by such depository for availing its services in respect of securities issued by the Bank.

49. Surrender of certificate of security :

- (i) Any shareholder or holder of any security of the bank who has entered into an agreement under regulation 48 above, shall surrender the certificate of security in respect of which he seeks to avail the service of a depository to the bank.
- (ii) The Bank on receipt of the certificate of security under sub-regulation (i) above, shall cancel the certificate of security and substitute in its record the name of the depository as a registered owner in respect of that security and inform the depository accordingly.
- (iii) A depository shall, on receipt of information under sub-regulation (ii) above, enter the name of the person referred to in sub-regulation (i) above, in its records as the beneficial owner.

50. Registration of transfer of securities with depository—Every depository shall on receipt of intimation to effect transfer from the Bank register the transfer of securities in the name of the transferee.

51. Option to receive security certificate or to hold the security held with a depository :

- (i) Every person subscribing to securities offered by the Bank, shall have option either to receive security certificate or hold the security with the depository.
- (ii) When a person opts to hold security with the depository the Bank shall intimate such depository details of allotment of securities and on receipt of such information, the depository shall enter in its register, name of the allottee as the beneficial owner of that security.

52. Securities in depository to be in fungible form—All securities held by the depository shall be dematerialised and shall be in a fungible form.

53. Rights of beneficial owner—The beneficial owner shall be entitled to all the rights and benefits and be subjected to all the liabilities in respect of his securities held by the depository.

54 Register of Beneficial Owner :

- (i) Every depository shall maintain a register and an index of beneficial owners such form as may be prescribed under the Depositories Act, 1996 or by SEBI in respect of securities of the Bank held by the Depository.
- (ii) The depository shall furnish to the Bank at such intervals as may be prescribed by the Bank, an updated copy of the register and index of the beneficial owners maintained by it.

55. Option to opt out in respect of any securities :

- (i) If the beneficial owner seeks to opt out from the depository in respect of any security, he shall inform the depository accordingly.
- (ii) The depository shall on receipt of such intimation under sub-regulation (i) above, make appropriate entries in its records and shall inform the Bank.
- (iii) The Bank shall within 30 (thirty) days of the receipt of intimation from the depository and on fulfilment of such conditions and on payment of such fees as may be specified in the SEBI Depositories & Participants Regulations 1996 and/or the Depositories Act, 1996 issue a certificate of security to the beneficial owner or the transferee as the case may be.

CHAPTER IV

MEETINGS OF SHAREHOLDERS

56. Notice convening an Annual general meeting

- (i) A notice convening an annual general meeting of the shareholders signed by the Chairman and Managing Director or Executive Director or any authorised official of the

Bank shall be published at least twenty one clear days before the meeting in not less than two daily newspapers having wide circulation in India.

(ii) Every such notice shall state the time, date and place of such meeting, and also the business that shall be transacted at that meeting.

(iii) The time and date of such meeting shall be as specified by the Board. The meeting shall be held at the place of head office of the Bank.

57. Extraordinary General Meeting

(i) The Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director of the Bank or in his absence any one of the Directors of the Bank may convene an Extra Ordinary General Meeting of shareholders if so directed by the Board, or on a requisition for such a meeting having been received either from the Central Government or from other shareholders holding shares, carrying, in the aggregate, not less than ten percent of the total voting rights of all the shareholders.

(ii) The requisition referred in sub-regulation (i) shall state the purpose for which the Extra Ordinary General Meeting is required to be convened, but may consist of several documents in like form each signed by one or more of the requisitionists.

(iii) Where two or more persons hold any shares jointly, the requisition or a notice calling a meeting signed by one or some of them shall, for the purpose of this regulation have the same force and effect as if it had been signed by all of them.

(iv) The time, date and place of the Extra Ordinary General Meeting shall be decided by the Board :

Provided that the Extra-ordinary General Meeting convened on the requisition by the Central Government or other shareholder shall be convened not later than 45 days of the receipt of the requisition.

(v) If the Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director, as the case may be, does not convene a meeting as required by sub-regulation (i), within the period stipulated in the proviso to sub-regulation (iv), the meeting may be called by the requisitionist themselves within three months from the date of the requisition :

Provided that nothing in this sub-regulation shall be deemed to prevent a meeting duly convened before the expiry of the period of three months aforesaid, from being adjourned to some day after the expiry of that period.

(vi) A meeting called under sub-regulation (v) by the requisitionist shall be called in the same manner, as nearly as possible as that in which the other general meetings are called by the Board.

58. Quorum of general meeting

(i) No business shall be transacted at any meeting of the shareholders unless a quorum of at least five shareholders entitled to vote at such meeting in person are present at the commencement of such business.

(ii) If within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, in the case of a meeting called by a requisition of shareholders other than the Central Government, the meeting shall stand dissolved.

(iii) In any other case if within half an hour after the time appointed for the holding of a meeting, a quorum is not present, the meeting shall stand adjourned to the same day in the next week, at the same time and place or to such other day and such other time and place as the Chairman may determine. If at the adjourned meeting a quorum is not present within half an hour from the time appointed for holding the meeting, the shareholders who are present, in person or by proxy or by duly authorised representative or such adjourned meeting shall be quorum and the business transacted at such meeting shall be valid.

Provided that no annual general meeting shall be adjourned to a date later than the date within which

such annual general meeting shall be held in terms of section 10A(1) of the Act and if adjournment of the meeting to the same day in the following week would have this effect, the annual general meeting shall not be adjourned but the business of the meeting shall be commenced within one hour from the time appointed for the meeting if the quorum is present or immediately after the expiry of one hour from that time and those shareholders who are present in person or by proxy or by duly authorised representative at such time shall form the quorum.

59. Chairman at general meeting

(i) The Chairman and Managing Director or in his absence the Executive Director or in his absence such one of the directors as may be generally or in relation to a particular meeting be authorised by the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director in this behalf, shall be the Chairman of the meeting and if the Chairman and Managing Director or the Executive Director or any other director authorised in this behalf is not present, the meeting may elect any other director present to be the chairman of the meeting.

(ii) The chairman of the general meeting shall regulate the procedure at general meetings and in particular shall have power to decide the order in which the shareholders may address the meeting to fix a time limit for speeches, to apply the closure when in his opinion, any matter has been sufficiently discussed and to adjourn the meeting.

60. Persons entitled to attend general meetings

(i) All directors and all shareholders of the Bank shall, subject to the provisions of sub-regulation (ii), be entitled to attend a general meeting.

(ii) A shareholder (not being the Central Government) or a Director, attending a general meeting shall for the purpose of identification and to determine his voting rights, be required to sign and deliver to the Bank a form to be specified by the Chairman containing particulars relating to :—

(a) his full name and registered address;

(b) the distinctive numbers of his shares;

(c) whether he is entitled to vote and the number of votes to which he is entitled in person or by proxy or as a duly authorised representative.

61. Vote at general meetings—

(i) At any general meeting, a resolution put to the vote of the meeting shall, unless a poll is demanded be decided on a show of hands.

(ii) Save as otherwise provided in the Act every matter submitted to a general meeting shall be decided by a majority of votes.

(iii) Unless a poll is demanded under sub-regulation (i), a declaration by the Chairman of the meeting that a resolution on a show of hands has or has not been carried either unanimously or by a particular majority and an entry to that effect in the books containing the minutes of the proceedings shall be conclusive evidence of the fact without proof of the number or proportion of the votes cast in favour of, or against, such resolution.

(iv) Before or on the declaration of the result of the voting on any resolution on a show of hands, a poll may be ordered to be taken by the chairman of the meeting of his own motion, and shall be ordered to be taken by him on a demand made in that behalf by any shareholder or shareholders present in person or by proxy and holding shares in the Bank which confer a right to vote on the resolution not being less than one fifth of the total voting power in respect of the resolution.

(v) The demand for a poll may be withdrawn at any time by the person or persons who made the demand.

(vi) A poll demanded on a question of adjournment or of a motion of no confidence shall be taken forthwith.

(vii) A poll demanded on any other question shall be taken at such time not being later than forty eight hours from the time when the demand was made, as the chairman of the meeting may direct.

(viii) The decision of the chairman of the meeting as to the qualification of any person to vote, and also in the case of poll, as to the number of votes any person is competent to exercise shall be final.

62. Minutes of general meetings—

(i) The Bank shall cause the minutes of all proceedings to be maintained in the books kept for the purpose.

(ii) Any such minutes, if purporting to be signed by the chairman of the meeting at which the proceedings were held, or by the chairman of the next succeeding meeting, shall be evidence of the proceedings.

(iii) Until the contrary is proved, every general meeting in respect of the proceedings hereof minutes have been so made shall be deemed to have been duly called and held, and all proceedings held thereat to have been duly held.

CHAPTER V

ELECTION OF DIRECTORS

63. Directors to be elected at general meeting—

(i) A director under clause (i) of sub-section (3) of Section 9 of the Act shall be elected by the shareholders on the register, other than the Central Government, from amongst themselves in the general meeting of the Bank.

(ii) Where an election of a director is to be held at any general meeting, the notice thereof shall be included in the notice convening the meeting. Every such notice shall specify the number of directors to be elected and the particulars of vacancies in respect of which the election is to be held.

64. List of shareholders

(i) For the purpose of election of a director under sub-regulation (i) of Regulation 63 of these regulations, a list shall be prepared of shareholders on the register by whom the director is to be elected.

(ii) The list shall contain the names of the shareholders, their registered addresses, the number and denoting numbers of shares held by them with the dates on which the shares were registered and the number of votes to which they will be entitled on the date fixed for the meeting at which the election will take place and copies of the list shall be available for purchase at least three weeks before the date fixed for the meeting at a price to be fixed by the Board or the Management Committee, on application at the Head Office.

65. Nomination of candidates for election

(i) No nomination of a candidate for election as a director shall be valid unless,

- (a) he is a shareholder holding 100 shares in the Bank;
- (b) he is on the last date for receipt of nomination, not disqualified to be a director under the Act or under the Scheme;
- (c) he has paid all calls in respect of the shares of the Bank held by him, whether alone or jointly with others, on or before the last date fixed for the payment of the call;

(d) the nomination is in writing signed by at least one hundred shareholders entitled to elect directors under the Act or by their duly constituted attorney, provided that a nomination by a shareholder who is a company may be made by a resolution of the directors of the said company and where it is so made, a copy of the resolution certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall be despatched to the Head Office of the Bank and such copy shall be deemed to be a nomination on behalf of such company;

(e) the nomination accompanies or contains a declaration signed by the candidate before a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances

or other Gazetted officer or an officer of the Reserve Bank of India or any nationalised bank, that he accepts the nomination and is willing to stand for election, and that he is not disqualified either under the Act or the Scheme or these regulations from being a director.

(ii) No nomination shall be valid unless it is received with all the connected documents complete in all respects and received, at the Head Office of the Bank on a working day not less than fourteen days before the date fixed for the meeting.

66. Scrutiny of nominations

(i) Nominations shall be scrutinised on the first working day following the date fixed for receipt of the nominations and in case any nomination is not found to be valid, the same shall be rejected after recording the reason therefor. If there is only one valid nomination for any particular vacancy to be filled by election, the candidate so nominated shall be deemed to be elected forthwith and his name and address shall be published as so elected. In such an event there shall not be any election at the meeting convened for the purpose and if the meeting had been called solely for the purpose of the aforesaid election, it shall stand cancelled.

(ii) In the event of an election being held, if valid nominations are more than the number of directors to be elected, the candidate polling the majority of votes shall be deemed to have been elected.

(iii) A director elected to fill an existing vacancy shall be deemed to have assumed office from the date following that on which he is, or is deemed to be elected.

67. Election Disputes

(i) If any doubt or dispute shall arise as to the qualification or disqualification of a person deemed, or declared to be elected, or as to the validity of the election of a director, any person interested, being a candidate or shareholder entitled to vote at such election, may, within seven days of the date of the declaration of the result of such election, give intimation in writing thereof to the Chairman and Managing Director of the Bank and shall in the said intimation give full particulars of the grounds upon which he doubts or disputes the validity of the election.

(ii) On receipt of an intimation under sub-regulation (i), the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director of the Bank shall forthwith refer such doubt or dispute for the decision of a committee consisting of the Chairman and Managing Director or in his absence, the Executive Director and any two of the directors nominated under clauses (b) & (c) of sub-section (3) of section 9 of the Act.

(iii) The committee referred to in sub-regulation (ii) shall make such enquiry as it deems necessary and if it finds that the election was a valid election, it shall confirm the declared result of the election or, if it finds that the election was not a valid election, it shall, within 30 days of the commencement of the enquiry, make such order and give such directions including the holding of a fresh election as shall in the circumstances appear just to the committee.

(iv) An order and direction of such committee in pursuance of this regulation shall be conclusive.

CHAPTER VI

VOTING RIGHTS OF SHAREHOLDERS

68. Determination of voting rights—

(i) Subject to the provisions contained in section 3(2E) of the Act, each shareholder who has been registered as a shareholder on the date of closure of the register prior to the date of a general meeting shall, at such meeting, have one vote on show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him.

(ii) Subject to the provisions contained in Section 3(2E) of the Act, every shareholder entitled to vote as aforesaid who, not being a company, is present in person or by proxy or who being a company is

present by a duly authorised representative, or by proxy shall have one vote on a show of hands and in case of a poll shall have one vote for each share held by him as stated hereinabove in sub-regulation (i).

Explanation - For this Chapter, "Company" means any body corporate.

- (iii) Shareholders of the Bank entitled to attend and vote at a general meeting shall be entitled to appoint another person (whether a shareholder or not) as his proxy to attend and vote instead of himself; but a proxy so appointed shall not have any right to speak at the meeting.

69. Voting by duly authorised representative -

- (i) A shareholder, being the Central Government or a company, may by a resolution, as the case may be, authorise any of its officials or any other person to act as its representative at any general meeting of the shareholders and the person so authorised (referred to as a "duly authorised representative" in these regulations) shall be entitled to exercise the same powers on behalf of the Central Government or company which he represents as if he were an individual shareholder of the Bank. The authorisation so given may be in favour of two persons in the alternative and in such a case any one of such persons may act as the duly authorised representative of the Central Government/company.
- (ii) No person shall attend or vote at any meeting of the shareholders of the Bank as the duly authorised representative of a company unless a copy of the resolution appointing him as a duly authorised representative certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date fixed for the meeting.

70 Proxies -

- (i) No instrument of proxy shall be valid unless, in the case of an individual shareholder, it is signed by

him or by his attorney duly authorised in writing or in the case of joint holders, it is signed by the shareholder first named in the register or his attorney duly authorised in writing or in the case of the body corporate signed by its officer or any attorney duly authorised in writing.

Provided that an instrument of proxy shall be sufficiently signed by any shareholder, who is, for any reason, unable to write his name, if his mark affixed thereto and attested by a Judge, Magistrate, Registrar or Sub-Registrar of Assurances or other Government gazetted officer or an Officer of the Bank.

- (ii) No proxy shall be valid unless it is duly stamped and a copy thereof deposited at the Head Office of the Bank not less than four days before the date fixed for the meeting, together with the power of attorney or other authority (if any) under which it is signed or a copy of that power of attorney or other authority certified as a true copy by a Notary Public or a Magistrate unless such a power of attorney or the other authority is previously deposited and registered with the Bank.
- (iii) No instrument of proxy shall be valid unless it is in Form "B".
- (iv) An instrument of proxy deposited with the Bank shall be irrevocable and final.
- (v) In the case of an instrument of proxy granted in favour of two grantees in the alternative, not more than one form shall be executed.
- (vi) The grantor of an instrument of proxy under this regulation shall not be entitled to vote in person at the meeting to which such instrument relates.
- (vii) No person shall be appointed as duly authorised representative or a proxy who is an officer or an employee of the Bank.

P. K. GUPTA
GM

PUNJAB NATIONAL BANK

FORM 'A'

SHARE TRANSFER FORM

[See sub-regulation (i) of regulation 17]

FOR THE CONSIDERATION stated below the "Transferor(s)" named do hereby transfer to the "Transferee(s)" named the shares specified below subject to the conditions on which the said shares are now held by the Transferor(s) and the Transferee(s) do hereby agree to accept and hold the said shares subject to the condition aforesaid.

Full Name of Company		Name of the recognised Stock Exchange, where dealt in, if any	
Description of Equity Shares			
No. in Figures	Number in words	Consideration (in figures)	Consideration (in words)
Distinctive Numbers		From To	

Corresponding

Certificate No. s.

Transferor(s) [Seller(s)]

Particulars

Name(s) in full

Regd.

Folio No.

Signature(s)

1. _____ 1. _____

2. _____ 2. _____

3. _____ 3. _____

4. _____ 4. _____

ATTESTATION

I hereby attest the signature
of the Transferor(s) herein mentioned

Signature of witness

Signature

Name and address of witness

Name

Address/seal

PIN _____

Transferee(s)

[Buyer(s)] Particulars

Signature(s)

Name(s) in full

1. _____ 1. _____

2. _____ 2. _____

3. _____ 3. _____

Occupation

Address

Father's/Husband's name

1. _____

2. _____

3. _____

Transferee(s) existing

Value of

Folio if any, in same

Stamps affixed Rs. _____

order of Names _____

Dated this _____ day of _____ Two Thousand _____

Place _____

For Office use only

Checked by _____

Signatures tallied by _____

(_____) (_____)

(Folio)

(Company Code)

(.....) (.....)

Specimen

1. _____

Signature(s)

2. _____

of Transferee(s)

3. _____

Entered in Register of

Transfer No. _____

Approval Date _____

Instruction for attestation :

Attestation, where required (thumb impressions, marks, signature difference etc.) should be done by a Magistrate, Notary Public or Special Executive Magistrate or a similar authority holding a Public Office and authorised to use the seal of his office or a member of a recognised Stock Exchange through whom the shares are introduced or a manager of the Transferor's Bank.

NOTE : Names must be rubber stamped preferably in a straightline, Chronological order should be maintained. Broker's Clearing Number should be stated when delivery is given by a clearing Member Bank.

Name of delivering
broker or Clearing
member

Date

POWER OF ATTORNEY/PROBATE/DEATH
CERTIFICATE

LETTERS OF ADMINISTRATION

Registered with the Company

No. _____ Date _____

[Signature (not initials) of broker, Bank, Company or Stock Exchange Clearing House]

LODGED BY : _____

FULL ADDRESS : _____

SHARE CERTIFICATE TO BE RETURNED TO
(FILL IN THE NAME AND ADDRESS TO WHICH THE
CERTIFICATES ARE REQUIRED TO BE RETURNED)
Name & Address : _____

Share Transfer Stamps

PUNJAB NATIONAL BANK

FORM 'B'

FORM OF PROXY

[See sub-regulation (iii) of Regulation 70]

Folio No. _____
(To be filled in by the shareholder)

I/We, resident of _____ in the district of _____ in the State of _____
being a shareholder/shareholders of the Punjab National Bank hereby appoint Shri _____
resident of _____ in the district of _____ in the State of _____ or failing him,
Shri _____ resident of _____ in the district of _____ in the
State of _____ as my/our proxy to vote for me/us and on my/our behalf at the meeting of the share
holders of the Punjab National Bank to be held on the _____ day of _____ 20____, and at any adjournment
thereof.

Signed this _____ day of _____ 20, _____

Name : _____

Address : _____

Affix

Revenue Stamp

P.K. GUPTA
GM

The Institute of Chartered Accountants of India

Chennai-600034 the 2000

NOTIFICATION

(Chartered Accountants)

No. 3SCA(4)/5/1999-2000—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of Death with effect from the date mentioned against the names of the following gentlemen:—

S. No.	MRN	Member Name & Address	Removal Dt.
1	2	3	4
1.	000607	Mr. Rajanna Bodapati "Gurukripa" 3/1 Hanuman Koil Street, West Mambalam Chennai-600033.	12-03-99
2.	000618	Mr. Venkateswarlu Bhagavathula II Line, Brodiepet, Guntur-522002.	03-01-99
3.	000926	Mr. Krishnaswamy M.S. 145, St. Mary's Road SBI Officers Colony Alwarpet, Chennai-600018.	04-12-99
4.	002248	Mr. Raghavachari K.V. 22/7 Reddiappa Mudali St. Vellore-632001.	07-11-99
5.	003869	Mr. Pinto Justin Allan 'Apurva', Pinto Lane, Opp: Vimaya Clinic, Mangalore-575003.	16-03-99
6.	003941	Mr. Ranganathans S Flat No. 203, Urjitha Apt. II Floor Krupa Anandbagh Road, Malkajgiri, Hyderabad-500047.	26-08-98
7.	003963	Mr. Rao B.D.K. Opp: Seetharama Kalyana Mandira, II Cross Road, Durgigudi, Shimoga-577201.	29-07-99

1	2	3	4
8.	004872	Mr. Amberker Y.Y. 'Ganesh Complex' Behind Hotel Darshan, P.B. Road Davangere-577002.	03-12-99
9.	005050	Mr. Krishna Iyengar R. Aswathy Towers, II Floor, P.B. No. 117, Star Complex, Near Thekkumgopuram, Kottayam-686001.	21-01-99
10.	005325	Mr. Subramania Iyer S. Flat No. 2 'Dwaraka' 26, Bazullah Road, T. Nagar, Chennai-600017.	07-09-99
11.	005712	Mr. V. Ydianathan P. Maarut Complex, 25/5 Lavelle Road, Bangalore-560001.	15-10-99
12.	006406	Mr. Krishna Rao K.K. Road No. 3, 1-2-41, Kakatiya Nagar, Habsiguda, Hyderabad-500007.	11-03-99
13.	008878	Mr. Easwaran Adithapuram Narayana Iyer 122, Senguptha Street, Ram Nagar, Coimbatore-641009.	01-05-99
14.	009328	Mr. Shanthamurthy B.M. No. 10 1, Floor S.S.B. Mutt Trust Bldgs., Tank Bund Road East, Bangalore-560009.	24-12-99
15.	009338	Mr. George Kandathil Eapen Kandathil Kanjikuzhy, Opp. SBT, Kottayam-686004.	19-02-99
16.	010400	Mr. Krishna Kumar, R. 101 & 102 Second Floor, Congress Bldgs., 573, Mount Road, Chennai-600006.	04-10-99
17.	010409	Mr. Raman G. 42/18, Motilal Street, T. Nagar, Chennai-600017.	30-08-99

MINISTRY OF TEXTILES

TEXTILES COMMITTEE

Mumbai, the 30th March 2000

No. 33(5)/97/Ad—In exercise of the powers conferred by clause (c) Sub-Section (2) of Section 23 of the Textiles Committee Act, 1963 (41 of 1963) the Textiles Committee, with the previous sanction of the Central Government, hereby, makes the following regulations further to amend the Textiles Committee's Employees' (Medical Benefits) Regulations, 1968, namely:—

1. (1) These Regulations may be called the Textiles Committee's Employees' Medical Benefits (Amendment) Regulations, 2000.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the official gazette.

2. In regulation 5 of the Textiles Committee's Employees (Medical Benefits) Regulation, 1968 for the portion beginning with the words "The expenses incurred by employees" and ending with words in note (i) "and includes dearness pay appropriate thereon", the following shall be substituted namely:

"The expenses incurred in a financial year by the employees on medical attendance and treatment will be reimbursed to them by the Committee at the rate of 12.5 percent of pay in case of Group 'D' employees, at the rate of 10 percent of pay in respect of Group 'C' employees and at the rate of 8 percent in respect of Group 'B' and Group 'A' employees."

Note:—(i) "The entitlement will be calculated on 1st April each year, and for the purpose of the calculation of the entitlement, the pay shall mean the aggregate basic pay drawn by the employee during the previous financial year."

ASHOK HALDIA,
Secretary

P.R. BAVISKAR,
Secy.

